खबर संक्षेप

परिवार नियोजन के साधनों को अपनाकर बनाएं स्वस्थ, समृद्ध एवं खुशहाल परिवार

शहडोल। कलेक्टर डॉ. केदार सिंह के मार्गदर्शन एवं मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ.राजेश मिश्रा के निर्देशन में विश्व जनसंख्या दिवस के अवसर पर महिला ट्रेनिंग सेंटर शहडोल में जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया गया। जिला स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. एस. डी. कंवर ने बताया कि 11 जुलाई से 18 जुलाई 2026 के मध्य सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्रो में फिक्स डे कैलेंडर बनाकर नसबंदी शिविरों का आयोजन किया जाएगा तथा व्ही.एच.एन.डी. की आयोजित बैठकों में परिवार कल्याण कार्यक्रम के बारे में जागरूक किया जाएगा तथा हितग्राही को स्थाई साधन (पुरुष, महिला, नसबंदी, तथा स्थाई साधन निरोध, ओरल पिल्स) आदि के बारे में जानकारी दी जाएगी। उन्होंने बताया कि पुरुष नसबंदी अपनाने वाले हितग्राहियों को 3 हजार रूपये तथा प्रेरक को 400 रूपये, महिला नसबंदी प्रसव के तुरंत बाद करने वाली महिला को 3 हजार रूपये तथा प्रेरकों को 400 रूपये प्रदान किए जाते हैं। इसी प्रकार महिला नसबंदी तथा मिनी लैंप पर हितग्राहियों को 2 हजार रूपये तथा प्रेरकों को 300 रूपये दिए जाते हैं। अस्थाई साधन कॉपरटी अपनाने वाली महिलाओं को 300 रूपये एवं लगाने वाली नर्स को 150 रुपए तथा आशा कार्यकर्ता को 150 रुपए दिए जाते हैं। इसी प्रकार अंतरा इंजेक्शन लगवाने वाली महिलाओं एवं प्रेरको को 100-100 रूपये प्रदान किये जाते है। साथ ही विश्व जनसंख्या दिवस के अवसर पर स्वास्थ्य विभाग के अधिकारियों एवं कर्मचारियों तथा महिला ट्रेनिंग सेंटर की महिलाओं द्वारा जनजागरूकता रैली निकाली गई। रैली के माध्यम से नागरिकों को परिवार नियोजन, मातृ एवं शिशु स्वास्थ्य, जनसंख्या स्थिरता तथा छोटे परिवार के महत्व के प्रति जागरूक किया गया। रैली के दौरान प्रतिभागियों ने जनसंख्या नियंत्रण एवं स्वस्थ परिवार से जुड़े संदेशों वाले नारों के माध्यम से लोगों को जागरूक किया एवं नागरिकों से अपील की कि वे परिवार नियोजन के साधनों को अपनाकर स्वस्थ, समृद्ध एवं खुशहाल परिवार के निर्माण में अपनी भागीदारी सुनिश्चित करें।

बाल विवाह की सूचना 1098 पर दे, बाल विवाह कानूनी अपराध

शहडोल। जिला कार्यक्रम अधिकारी अखिलेश मिश्रा ने बताया कि मिशन शक्ति योजना डिस्ट्रिक्ट हब फॉर एंपावरमेंट ऑफ वूमेन अंतर्गत जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन शासकीय हायर सेकेंडरी स्कूल पचगांव में किया गया। कार्यक्रम में वन स्टॉप सेंटर से सेंटर एडमिनिस्ट्रेटर श्रीमती भानुप्रिया महरा द्वारा उपस्थित छात्र छात्राओं को बाल विवाह के संबंध में जानकारी दी गई। उन्होंने बताया कि किसी बालिका के विवाह का निर्धारित उम्र 18 वर्ष एवं बालक का 21 वर्ष है। यदि इससे पहले कोई भी विवाह करता है तो यह बाल विवाह होगा। आपके आस पास के यदि बाल विवाह होता है तो अपने क्षेत्र के आंगनवा़ी कार्यकर्ता को या टोल फ्री नंबर 1098 में इसकी सूचना दें। इसके पश्चात पाक्सो एक्ट बच्चों को यौन उत्पीडन और शोषण से बचाने के लिए एक कानून है। जिसके संबंध में विस्तारपूर्वक जानकारी दी गई। जागरूकता कार्यक्रम में श्रीमती सपना पाण्डेय काउंसलर द्वारा वन स्टॉप सेंटर में एक ही छत के नीचे दी जाने वाली समस्त सेवाओं के बारे में समझाया गया। इसी प्रकार अन्य विषयो की भी जानकारी दी गई।

विधायक ने मॉडल रोड का किया भूमिपूजन,

शहडोल। शहडोल नगर के अधोसंरचनात्मक विकास की दिशा में एक और महत्वपूर्ण कदम उठाते हुए नगर पालिका परिषद, शहडोल द्वारा मुख्यमंत्री नगरीय क्षेत्र अधोसंरचना निर्माण योजना के अंतर्गत इंदिरा चौक से बलपुरवा न्यू बस स्टैंड तक प्रस्तावित मॉडल रोड के निर्माण कार्य का भूमिपूजन विधायक श्रीमती मनीषा सिंह, सदस्य जिला योजना समिति श्रीमती अमिता चपरा, अध्यक्ष नगर पालिका घनश्याम जायसवाल सहित अन्य जन प्रतिनिधियों एवं अधिकारियों ने किया।

स्पेशल 41 से बैकफुट पर कोल प्रबंधन, लगा दलालों का छन्ना

41 वीआईपी बाबुओं पर मेहरबान हुक्मरान!

काले कोयले के खेल में सफेदपोशों की मलाई, एसईसीएल बंगवार खदान में 45 लाख का मुफ्त वेतन घोटाला

धनपुरी। साउथ ईस्टर्न कोलफील्ड्स लिमिटेड के सोहागपुर एरिया अंतर्गत बंगवार भूमिगत खदान में व्हीआईपी कल्चर और भ्रष्टाचार का एक ऐसा हैरान करने वाला मामला सामने आया है, जिसने कोल इंडिया के दावों की पोल खोल कर रख दी है। खदान में तैनात 41 रसूखदार कर्मचारियों को प्रबंधन द्वारा अंडरग्राउंड ड्यूटी से बचाकर सालों तक जमीन के ऊपर (सरफेस) मलाई काटने की छूट दी गई, जबकि खदान के भीतर मैनपावर की कमी से हादसे होते रहे। इस गंभीर गड़बड़ी का खुलासा सोशल मीडिया पर वायरल हुए प्रबंधन के एक लाचार आदेश पत्र से हुआ है, जिसके बाद अब स्थानीय मैनेजमेंट, दलालों और यूनियन नेताओं के बीच एक नया खेल शुरू हो गया है।

मैनेजमेंट के फैसलों में बड़ा झोल

बंगवार खदान में सालों से चल रहे इस मुफ्त वेतन घोटाले पर जब चौतरफा दबाव बढ़ा, तो सोहागपुर एरिया के मुख्य महाप्रबंधक बी.के. जेना और बंगवार के उप क्षेत्रीय प्रबंधक संजय सिंह ने आनन-फानन में एक आदेश जारी कर इन 41 आरामपसंद कर्मचारियों को तत्काल प्रभाव से अंडरग्राउंड खदान में मूल पदों पर काम करने का निर्देश दिया, लेकिन यह कड़ा प्रशासनिक आदेश दिखने के बजाय अधिकारियों की एक लाचार प्रार्थना ज्यादा नजर आया। इस आदेश के जारी होते ही खदान के भीतर हडक़ंप मच गया, क्योंकि सालों से वातानुकूलित केबिनों और सरफेस पर फर्जी हाजिरी लगाने वाले इन वीआईपी बाबुओं, ड्रिरलर्स और फिटर्स को अब सीधे मौत के कुएं (भूमिगत माइंस) में उतरना था।

दलाली और सौदेबाजी का नया खेल शुरू

आदेश जारी होने के कुछ ही दिनों बाद, स्थानीय स्तर पर एक नया सिंडिकेट सक्रिय हो गया है। सूत्रों के मुताबिक, अंडरग्राउंड ड्यूटी से बचने के लिए अब इन 41 कर्मचारियों और स्थानीय मैनेजमेंट के चहेते दलालों के बीच मोटी सौदेबाजी शुरू हो चुकी है। लाखों रुपये के लेन-देन के दम पर इन कर्मचारियों को वापस सरफेस पर रोकने या आदेश पर पुनर्विचार कराने का दबाव बनाया जा रहा है। सवाल यह उठ रहा है कि आखिर ऐसा क्या भारी दबाव या मैनेजमेंट की कौन सी मजबूरी आ गई कि अपने ही जारी किए गए आदेश पर प्रबंधन को कदम पीछे खींचने पड़ रहे हैं? क्या कोल इंडिया के ऊंचे पदों पर बैठे अधिकारी अपने ही बुने पत्रों के जाल में उलझ चुके हैं?

41 वीआईपी पर उठते गंभीर सवाल

एक मोटे अनुमान के मुताबिक, इन 41 कर्मचारियों को बिना मूल कार्य किए हर महीने लगभग 30 लाख रुपये से अधिक का मूल वेतन और भत्ते मिलाकर कुल 40 से 45 लाख रुपये दिए जा रहे थे। यह सीधे तौर पर सार्वजनिक धन की खुली लूट है। यदि गेंद लाल (बी.सी.एम.), गोविंद प्रसाद (बेल्ट ऑपरेटर), संत लाल (ड्रिलर), देवेंद्र जायसवाल (जी/असिस्टेंट), अनिल कुमार (जी/असिस्टेंट), रवि कुमार (जी/असिस्टेंट), देवीदत्त पांडेय (जी/असिस्टेंट), अजीत कुमार (जी/असिस्टेंट), राकेश लाल गुप्ता (जी/असिस्टेंट), कैलाशपति त्रिपाठी (जी/असिस्टेंट), आशुतोष कु. शुक्ला (जी/असिस्टेंट), दीपांकर कुर्रे (जी/असिस्टेंट), सायरास भावुक (जी/असिस्टेंट), बृजेंद्र कुमार कुशवाहा (जी/असिस्टेंट), अनुज कुमार शर्मा (जी/असिस्टेंट), मो. हसनैन खान (जी/असिस्टेंट), केदार यादव (जी/असिस्टेंट), अविनाश द्विवेदी (जी/असिस्टेंट), सत्यनारायण त्रिपाठी (जी/असिस्टेंट), विजय कुमार (जी/असिस्टेंट), कमल सिंह (जी/असिस्टेंट), अजीत कुमार सिंह (जी/असिस्टेंट), अतुल कुमार मिश्रा (जी/असिस्टेंट), भुवनेश्वर कुशवाहा (जी/असिस्टेंट), श्रीराम द्विवेदी (जी/असिस्टेंट), शारदा मिश्रा (जी/असिस्टेंट), रौनक वर्मा (जी/असिस्टेंट), ऋषभ मिश्रा (जी/असिस्टेंट), सेजन अंसारी (जी/असिस्टेंट), पंकज कुमार शुक्ला (जी/असिस्टेंट), सूरज कुमार सोनी (जी/असिस्टेंट), रोहित सिंह (जी/असिस्टेंट), अनिकेत द्विवेदी (जी/असिस्टेंट (प्रशिक्षु)), नवीन कुमार खंडेलवाल (हॉलेज ऑपरेटर), अमरीका प्रसाद 2106 (एम/फिटर), सज्जन सिंह 1721 (एम/फिटर), केवल चंद 411 (एम/फिटर), प्रीतम लाल 1391 (एम/फिटर), संजीव कुमार (एम/फिटर), अवधेश प्रसाद 1679 (एस.बी.ए.) इन 41 कर्मचारियों को अचानक अंडरग्राउंड भेज देने या हटाने से सरफेस का काम प्रभावित नहीं हो रहा है, तो साफ है कि पहले से ही वहां जरूरत से ज्यादा लोग बैठे थे। बिना जरूरत के इतनी बड़ी फौज को सिर्फ रसूखदारों की सिफारिश पर क्यों पाला गया। आदेश जारी होने के बाद दूसरे पत्र की सुगबुगाहट ने यह साफ कर दिया है कि स्थानीय दलाल अब कर्मचारियों से मोटी रकम ऐंठकर उन्हें अंडरग्राउंड जाने से बचाने का ठेका ले रहे हैं और मैनेजमेंट मौन सहमति दे रहा है।

हादसों की गुनहगार बंगवार माइंस

यह वही बंगवार माइंस है, जो पूर्व में हुए कई दर्दनाक और जानलेवा हादसों के लिए कुख्यात रही है। चाल (खदान की छत) धंसने और सुरक्षा मानकों की अनदेखी के कारण यहां कई गरीब और मासूम खदान श्रमिकों की अकाल मौत हो चुकी है। अब स्थानीय जनता और ईमानदार श्रमिकों में इस बात को लेकर भारी आक्रोश है कि यदि मैनपावर की कमी से जूझ रही इस खदान में इन 41 कर्मचारियों को समय पर नीचे ड्यूटी पर लगाया जाता, तो शायद सुरक्षा और उत्पादन दोनों बेहतर होते और उन मासूम मजदूरों की जान बचाई जा सकती थी। अधिकारियों की लापरवाही के कारण गरीब मजदूर नीचे मौत से जूझते रहे और चहेते ऊपर बैठकर मोबाइल चलाते रहे।

सोहागपुर मुख्यालय में रील संस्कृति

स्थानीय यूनियन नेताओं और जागरूक कर्मचारियों का कहना है कि यह बीमारी सिर्फ बंगवार माइंस तक सीमित नहीं है। सोहागपुर एरिया के मुख्य मुख्यालय और ओपन कास्ट माइंस का यदि निष्पक्ष ऑडिट किया जाए, तो इससे भी बड़े चौंकाने वाले आंकड़े सामने आएंगे। सोहागपुर एरिया मुख्यालय में बड़ी संख्या में ऐसी नियुक्तियां की गई हैं, जहां कर्मचारी केवल पानी पिलाने या फाइल एक टेबल से दूसरी टेबल तक ले जाने का औपचारिक काम करते हैं और बदले में लाखों का वेतन उठाते हैं। आरोप है कि मुख्यालय में तैनात कई कर्मचारी दिनभर सिर्फ मोबाइल देखने और रील बनाने में व्यस्त रहते हैं, जबकि खदानों में उत्पादन ठप पड़ा है।

...तो जेना और संजय सिंह पर गिरेगी गाज

इस पूरे भ्रष्टाचार, वीआईपी संस्कृति और दलाली प्रथा को इतने लंबे समय तक संरक्षण देने के लिए सोहागपुर एरिया के मुख्य महाप्रबंधक बी.के. जेना और बंगवार के उप क्षेत्रीय प्रबंधक संजय सिंह सीधे तौर पर कटघरे में खड़े हैं। श्रमिक संगठनों और स्थानीय निवासियों ने चेतावनी दी है कि केवल कागजी आदेश जारी करने या दिखावे के लिए ट्रांसफर-पोस्टिंग का नाटक करने से काम नहीं चलेगा। इस पूरे घोटाले की उच्च स्तरीय सतर्कता जांच होनी चाहिए कि आखिर इन अधिकारियों की नाक के नीचे इतने सालों तक यह सिंडिकेट कैसे फलता-फूलता रहा और अब किस दबाव में आकर आदेश को बदलने या सौदेबाजी करने की कोशिश की जा रही है।

शहडोल में भरभराकर ढही निर्माणाधीन छत मलबे में दबे मजदूर, निजी चिकित्सालय में भर्ती

शहडोल। जिला मुख्यालय के वार्ड क्रमांक 28 स्थित सौखी (साखी) मोहल्ला शनिवार को उस वक्त दहल उठा, जब एक निर्माणाधीन मकान की दूसरी मंजिल की छत ढलाई के दौरान ताश के पत्तों की तरह ढह गई। भ्रष्टाचार और घटिया निर्माण की जीती-जागती तस्वीर बने इस हादसे में कई मजदूर मलबे के साथ सीधे नीचे आ गिरे। मलबे और ऊंचाई से गिरने के कारण तीन मजदूर बुरी तरह जख्मी हो गए, जिनमें से दो की हालत बेहद नाजुक बनी हुई है। घटना के बाद से ही इलाके में चीख-पुकार और अफरा-तफरी का माहौल है।

ढलाई के बीच अचानक बैठ गई सेनट्रिंग

शहडोल-बुढार मार्ग स्क्वायर के पास, क्रिश्चियन हॉस्पिटल के पीछे साईं आईटीआई रोड पर धनपुरी निवासी मकान मालिक मयंक अग्रवाल (अग्रवाल बंधुओं) की बिल्डिंग का निर्माण कार्य चल रहा था। शनिवार को दूसरी मंजिल की छत की ढलाई का काम बड़े पैमाने पर जारी था। कंक्रीट मिक्सर मशीनें गरज रही थीं और मजदूर अपनी जान हथेली पर रखकर काम में जुटे थे। तभी अचानक एक जोरदार और डरावनी आवाज के साथ सेनट्रिंग का सामने का हिस्सा पूरी तरह बैठ गया। जब तक मजदूर कुछ समझ पाते या भाग पाते, तब तक पूरी छत भरभराकर नीचे आ गिरी और मजदूर कंक्रीट के मलबे में दफन हो गए।

निजी अस्पताल में जिंदगी और मौत की जंग

धमाके की आवाज सुनकर स्थानीय लोग तुरंत घटना स्थल की ओर दौड़े और मलबे को हटाकर मजदूरों को बाहर निकालने का रेस्क्यू ऑपरेशन शुरू किया। इस रोंगटे खड़े कर देने वाले हादसे में तीन मजदूर गंभीर रूप से घायल हुए हैं, जिनकी पहचान बृजेश, मूरत और बृजेंद्र के रूप में हुई है। इनमें से दो मजदूरों को अंदरूनी और बेहद गंभीर चोटें आई हैं। सभी घायलों को आनन-फानन में नजदीकी आदित्य हॉस्पिटल (निजी अस्पताल) में भर्ती कराया गया है, जहां वे जिंदगी और मौत की जंग लड़ रहे हैं।

राजस्थान के ठेकेदार का कारनामा

इस पूरे हादसे ने निर्माण कार्य में चल रहे एक बड़े और अवैध खेल का भंडाफोड़ कर दिया है। रोंगटे खड़े कर देने वाली बात यह है कि इस बिल्डिंग के निर्माण का जिम्मा संभाल रहे राजस्थान के ठेकेदार रंजीत सिंह ने नियमों को पूरी तरह ताक पर रख दिया था। ठेकेदार के मुताबिक, काम पर दमोह से आई लेबर लगी हुई थी, जिसमें एक ही परिवार के 10 से 12 लोग शामिल हैं। सबसे बड़ा और गंभीर सवाल यह है कि बाहरी क्षेत्र से आए इन मजदूरों का स्थानीय पुलिस में कोई वेरिफिकेशन (सत्यापन) नहीं कराया गया था। बिना किसी कानूनी रिकॉर्ड और सुरक्षा मानकों के, इन मजदूरों से धड़ल्ले से खतरनाक काम कराया जा रहा था, जो सीधे तौर पर जिला प्रशासन और पुलिस की नाक के नीचे चल रही गंभीर लापरवाही को उजागर करता है।

जांच के घेरे में ठेकेदार

घटना की सूचना मिलते ही स्थानीय प्रशासनिक टीम और पुलिस बल मौके पर पहुंच गया है। शुरुआती जांच में कमजोर सेनट्रिंग और ढलाई के दौरान क्षमता से अधिक भार को हादसे की वजह माना जा रहा है। मामले की गंभीरता को देखते हुए कोतवाली प्रभारी ने सख्त रुख अख्तियार किया है। कोतवाली प्रभारी का साफ कहना है कि घायलों की एमएलसी (मेडिको-लीगल केस) रिपोर्ट आने के बाद आगे की वैधानिक कार्रवाई की जाएगी। इसके साथ ही, बिना पुलिस वेरिफिकेशन के बाहरी मजदूरों को काम पर रखने के इस गंभीर मामले को भी जांच के दायरे में लिया गया है। स्थानीय जनता अब यह मांग कर रही है कि आखिर इन बेलगाम ठेकेदारों और रसूखदार मकान मालिकों पर सख्त शिकंजा कब कसा जाएगा?

विद्यार्थी मेहनत, लगन एवं एकाग्रता से करें पढ़ाई: कलेक्टर

शहडोल। कलेक्टर डॉ. केदार सिंह ने आवासीय शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय, विचारपुर का निरीक्षण कर विद्यार्थियों से संवाद किया तथा विद्यालय में उपलब्ध कराई जा रही सुविधाओं एवं व्यवस्थाओं का जायजा लिया। निरीक्षण के दौरान कलेक्टर विद्यार्थियों के बीच बेंच पर बैठकर उनसे पढ़ाई, विद्यालय की व्यवस्थाओं एवं दैनिक दिनचर्या के संबंध में चर्चा की। उन्होंने विद्यार्थियों को संबोधित करते हुए कहा कि परीक्षाओं में उत्कृष्ट प्रदर्शन के लिए मेहनत, लगन एवं एकाग्रता के साथ नियमित अध्ययन करें। उन्होंने कहा कि सफलता का कोई शॉर्टकट नहीं होता, निरंतर परिश्रम और अनुशासन ही बेहतर परिणाम दिलाते हैं।

15 जुलाई से चलेगा विशेष नशा विरोधी अभियान, नवागत पुलिस अधीक्षक संजय कुमार अग्रवाल ने गिनाईं प्राथमिकताएं

शहडोल। जिले के नवागत पुलिस अधीक्षक संजय कुमार अग्रवाल ने शनिवार को आयोजित अपनी पहली पत्रकार वार्ता में जिले की पुलिस कार्यप्रणाली और आगामी कार्ययोजना की जानकारी दी। उन्होंने कहा कि कानून-व्यवस्था को और अधिक सुदृढ़ बनाना, अपराधों पर प्रभावी नियंत्रण स्थापित करना तथा नशे के विरुद्ध सख्त कार्रवाई उनकी सर्वोच्च प्राथमिकता रहेगी। पुलिस अधीक्षक ने बताया कि 15 जुलाई से 30 जुलाई 2026 तक जिले में विशेष नशा विरोधी अभियान संचालित किया जाएगा। अभियान के दौरान अवैध शराब, मादक पदार्थों की तस्करी तथा नशे के कारोबार में संलिप्त व्यक्तियों के विरुद्ध सख्त कार्रवाई की जाएगी। इस अभियान में स्वास्थ्य विभाग सहित अन्य संबंधित विभागों का भी सहयोग लिया जाएगा। साथ ही युवाओं को नशे के दुष्प्रभावों के प्रति जागरूक करने के उद्देश्य से विभिन्न जनजागरूकता कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे।

खबर संक्षेप

18 जुलाई को विशेष लोक अदालत का आयोजन

उमरिया। मध्य प्रदेश राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण, जबलपुर के निर्देश एवं जिला विधिक सेवा प्राधिकरण, उमरिया के अध्यक्ष प्रिय दर्शन शर्मा के मार्गदर्शन में 18 जुलाई 2026 को प्रातः 10 बजे से विशेष लोक अदालत का आयोजन किया जाएगा। इस विशेष लोक अदालत का उद्देश्य परक्राम्य लिखत अधिनियम (एन.आई. एक्ट) की धारा 138 के अंतर्गत लंबित चेक बाउंस प्रकरणों का आपसी समझौते के माध्यम से त्वरित एवं सौहार्दपूर्ण निराकरण करना है। विशेष लोक अदालत में ऐसे मामलों को प्राथमिकता दी जाएगी, जिनमें चेक की राशि 50,000 से कम है। पक्षकारों को बिना लंबी न्यायिक प्रक्रिया के आपसी सहमति से विवाद का समाधान करने का अवसर मिलेगा, जिससे समय और धन दोनों की बचत होगी तथा न्यायालयों में लंबित प्रकरणों का बोझ भी कम होगा। जिला विधिक सेवा प्राधिकरण ने संबंधित पक्षकारों से अपील की है कि वे इस विशेष लोक अदालत का अधिक से अधिक लाभ उठाएं और आपसी समझौते के आधार पर अपने प्रकरणों का निराकरण कराकर न्यायिक प्रक्रिया को सरल एवं प्रभावी बनाने में सहयोग करें।

जिले में बीते 24 घंटे में 4.1 मिमी वर्षा दर्ज

उमरिया। अधीक्षक भू अभिलेख ने बताया कि बीते 24 घंटे में 4.1 मिमी वर्षा दर्ज की गई है। पाली तहसील में 4.6 मिमी, नौरोजाबाद तहसील 8.4 मिमी, चंदिया तहसील में 1.3 मिमी, करकेली तहसील में 6.7 मिमी, बिलासपुर तहसील में 7.1 मिमी वर्षा दर्ज की गई है। जिले में 1 जून से लेकर 11 जुलाई तक 225.1 मिमी वर्षा रिकार्ड की गई है जिसमें बांधवगढ़ तहसील में 270.7 मिमी, मानपुर तहसील में 144.6 मिमी, पाली तहसील में 262.8 मिमी, नौरोजाबाद तहसील 259.4 मिमी, चंदिया तहसील में 171.1 मिमी, करकेली तहसील में 284 मिमी, बिलासपुर तहसील में 183 मिमी वर्षा दर्ज की गई है। जबकि गत वर्ष इसी दिनांक तक जिले में कुल 531.2 मिमी वर्षा रिकार्ड की गई थी जिसमें बांधवगढ़ तहसील में 483.9 मिमी, मानपुर तहसील में 525 मिमी, पाली तहसील में 484.2 मिमी, नौरोजाबाद तहसील 479.8 मिमी, चंदिया तहसील में 645.6 मिमी, करकेली तहसील में 441.4 मिमी, बिलासपुर तहसील में 659 मिमी वर्षा शामिल है ।

आजादी के अमृतकाल में कीचड़ के दलदल पर टंगी प्रसूता की जिंदगी

एम्बुलेंस नहीं पहुंची, खाट पर ढोई जा रही सरकार!

उमरिया। सरकारें बदलती हैं, नारे बदलते हैं और मंचों से विकास की गंगा बहाने वाले भाषणों के सुर भी बदलते हैं, लेकिन अगर कुछ नहीं बदलता, तो वह है जिले के सुदूर ग्रामीण अंचलों की यह खौफनाक और शर्मनाक जमीनी हकीकत। जिला मुख्यालय से कोसों दूर, सीमा पर स्थित आदिवासी बाहुल्य ग्राम पंचायत देवरा से आई एक तस्वीर ने सूबे के स्वास्थ्य दावों और लोक निर्माण विभाग के चमकते कागजों को कीचड़ में सराबोर कर दिया है। यहां प्रसव पीड़ा से तड़पती एक मां को एम्बुलेंस तक नसीब नहीं हुई। ग्रामीणों और परिजनों ने अपनी जान हथेली पर रखकर, प्रसूता को हाथों में टांगा और दलदल बन चुकी सडक़ पर मीलों पैदल चलकर मुख्य मार्ग तक पहुंचाया।

एम्बुलेंस चालक की दो टूक, गाड़ी फंस जाएगी

दिल को झकझोर देने वाला यह मामला देवरा गांव का है, जहां मालती कोल पति सुनील कोल को अचानक असहनीय प्रसव पीड़ा शुरू हुई। परिजनों ने तत्काल सजगता दिखाते हुए 108 एम्बुलेंस सेवा को फोन घुमाया। उम्मीद थी कि चंद मिनटों में सायरन बजाती गाड़ी आएगी और दर्द से कराहती मालती को अस्पताल ले जाएगी, लेकिन व्यवस्था के निकम्मेपन ने उम्मीदों पर पानी फेर दिया। गांव को मुख्य मार्ग से जोडऩे वाली सडक़ इस कदर बदहाल और दलदल में तब्दील हो चुकी थी कि एम्बुलेंस चालक ने गांव के भीतर आने से साफ मना कर दिया। उसका तर्क भी अपनी जगह सही था कि अगर इस कीचड़ में गाड़ी फंस गई, तो मरीज अस्पताल की जगह सीधे मौत के मुंह में समा जाएगा।

जब रेंगती हुई व्यवस्था को ग्रामीणों ने कंधों पर उठाया

इसके बाद जो हुआ, वह प्रशासनिक संवेदनहीनता के मुंह पर करारा तमाचा है। जब सिस्टम हांफ गया, तो अपनों की ममता और ग्रामीणों का हौसला आगे आया। प्रसूता को खाट और हाथों के सहारे उठाकर ग्रामीण नेशनल हाईवे की ओर चल पड़े। एक तरफ प्रसव की जानलेवा पीड़ा और दूसरी तरफ पैर-पैर धंसता हुआ कीचड़। जरा सा संतुलन बिगड़ता, तो जच्चा-बच्चा दोनों की सांसें अधर में लटक जातीं। कई किलोमीटर का यह सफर किसी अग्निपरीक्षा से कम नहीं था। गनीमत रही कि हाईवे पर खड़ी एम्बुलेंस ने उन्हें समय पर अस्पताल पहुंचाया, जहां चिकित्सकों की मुस्तैदी से मालती ने एक स्वस्थ बेटे को जन्म दिया। मां और नवजात सुरक्षित हैं, लेकिन यह सुरक्षा व्यवस्था की मेहरबानी नहीं, बल्कि उनकी अपनी किस्मत और ग्रामीणों का जीवटपन था।

बलिदानी के गांव में शहादत दे रहा विकास!

विडंबना देखिए, यह वही देवरा गांव है जिसे देश के लिए प्राण न्यौछावर करने वाले सेना के वीर बलिदानी स्वागत भूप सिंह के नाम से जाना जाता है। जिस गांव के लाल ने देश की सीमाओं की रक्षा के लिए अपना लहू बहा दिया, उसी गांव के वाशिंदे आज अपने ही घर में बुनियादी हकों के लिए तरस रहे हैं। वीरों की भूमि पर आज विकास खुद शहादत दे रहा है। दावों की मानें तो बैगा बाहुल्य इस गांव की तकदीर बदलने के लिए प्रधानमंत्री जनमन योजना के तहत करोड़ों रुपयों का बजट स्वीकृत हुआ है। कागजों पर सडक़ मंजूर है, बजट पास है, लेकिन धरातल पर सिर्फ ठेकेदार की लापरवाही और अफसरों की कमीशनखोरी का दलदल पसरा हुआ है।

ठेकेदार की मनमानी, अफसरों की खामोशी

स्थानीय ग्रामीणों का आरोप है कि रसूखदार ठेकेदार की लापरवाही और कछुआ चाल के कारण यह निर्माण कार्य समय पर पूरा नहीं हुआ। बारिश शुरू होते ही बची-कुची धूल भी अब जानलेवा कीचड़ बन चुकी है। सवाल यह उठता है कि योजना पर कुंडली मारकर बैठे इस ठेकेदार पर अब तक प्रशासनिक हंटर क्यों नहीं चला, सडक़ निर्माण में हो रही इस आपराधिक देरी और गुणवत्ताविहीन कार्य को लेकर अब स्थानीय जनता का आक्रोश सातवें आसमान पर है। ग्रामीणों ने दो टूक शब्दों में चेतावनी दी है कि यदि इस सडक़ का निर्माण तत्काल और युद्धस्तर पर पूरा नहीं किया गया, तो वे उग्र आंदोलन के लिए विवश होंगे।

किसान 31 जुलाई तक अपनी फसल का करा सकते हैं बीमा

उमरिया। प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना के अंतर्गत खरीफ फसलों के लिए बीमा पंजीकरण की शुरूआत हो गई है। उप संचालक कृषि संग्राम सिंह मरावी ने बताया कि खरीफ 2026 में फसलों का बीमा कराने की अंतिम तिथि 31 जुलाई 2026 निर्धारित की गई है। इच्छुक कृषक तिथि के पूर्व अपने पटवारी हल्का की अधिसूचित फसलों का बीमा करवा सकते है। खरीफ मौसम में सभी अनाज, दलहन, तिलहन फसलों हेतु बीमित राशि का मात्रा अधिकतम 2 प्रतिशत प्रीमियम कृषक द्वारा देय है। शेष प्रीमियम राज्य एवं केन्द्र सरकार द्वारा वहन किया जाता है।

उन्होंने बताया कि अधिसूचित क्षेत्रों में अधिसूचित फसलें उगाने वाले बटाईदारों और काश्तदारों सहित सभी किसान अपनी फसलों का बीमा कवरेज प्राप्त करने हेतु पात्र हैं। योजना सभी कृषकों हेतु स्वैच्छिक की गई है। अल्पकालिक फसल ऋण प्राप्त करने वाले कृषकों की फसलों का बीमा संबंधित बैंक द्वारा किया जावेगा।

अऋणी कृषक अपनी अधिसूचित फसलो का बीमा प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना के अंतर्गत जिले की समस्त सहकारी समितियों, प्रत्येक ग्राम पंचायत में स्थापित कॉमन सर्विस सेन्टर, जिले के समस्त बैंक, क्राप इंशोरेंस एप, फसल बीमा पोर्टल .चउइलिण्हवअण्पद ।प्ब प्रतिनिधि एवं उर्वरक नगद विक्रय केन्द्र के माध्यम से एवं स्वयं कृषक फसल बीमा पोर्टल पर जाकर पंजीयन करने की अंतिम तिथि 31 जुलाई तक करवा सकते है।

अऋणी कृषकों हेतु आवश्यक दस्तावेजों में भू-अधिकार पुस्तिका की छायाप्रति , पहचान पत्र आधार कार्ड, बैंक पास बुक की छायाप्रति, बुआई प्रमाण पत्र की प्रति (कृषि विस्तार अधिकारी, सरपंच/सचिव द्वारा सत्यापित), मोबाईल नंबर शामिल है। केसीसी ऋणी कृषक गत वर्ष से अपनी फसल परिवर्तन की सूचना 29 जुलाई तक बैंक को दे सकता है अधिक जानकारी के लिए किसान कृषि रक्षक पोर्टल, हेल्पलाइन 14447 पर संपर्क कर सकते है। किसानों से अपील की गई है कि फसल बीमा का लाभ लेने के लिए अधिसूचित क्षेत्र मे बोई गई अधिसूचित फसलों का बीमा अवश्य कराए। अधिक जानकारी के लिए एग्रीकल्चर इंश्योरेंस प्रतिनिधि, क्षेत्रीय कृषि विस्तार अधिकारी, वरिष्ठ कृषि विकास अधिकारी या समीपस्थ बैंक शाखा से संपर्क किया जा सकता है।

जमीन कब्जा रोकने गए वन अमले पर जानलेवा हमला

चौकी की चाबी भी लूटी, दफ्तर में लटका ताला

उमरिया। जिले के चंदिया वन परिक्षेत्र के जंगलों में कानून का इकबाल किस कदर जमींदोज हो चुका है, इसकी एक और खौफनाक बानगी ग्राम नरवार-25 के कुदरी टोला में देखने को मिली है। सरकारी जमीन पर अवैध कब्जे और जुताई को रोकने पहुंचे वन विभाग के कर्मचारियों पर एक सिरफिरे अतिक्रमणकारी ने लोहे की सब्बल से जानलेवा हमला बोल दिया। इस हिंसक वारदात में वनकर्मी सत्येंद्र प्रजापति, विमलेश गुप्ता और चौकीदार संतोष यादव लहूलुहान हो गए। वर्दीधारियों पर हुए इस दुस्साहसिक हमले से पूरे महकमे में हडक़ंप मच गया है।

बाइक तोड़ी, चाबी लूटी, बंद पड़ी वन चौकी!

प्रत्यक्षदर्शियों के मुताबिक आरोपी मिथुन बैगा कुदरी टोला में बेखौफ होकर कुल्हाड़ी और हल चलाकर वन भूमि को जोत रहा था। जैसे ही वन अमले ने उसे रोकने की कोशिश की, आरोपी अपना आपा खो बैठा और लोहे की वजनी सब्बल लेकर कर्मचारियों पर टूट पड़ा। हमलावर ने न सिर्फ शासकीय सेवकों की बेरहमी से पिटाई की, बल्कि वनकर्मी सत्येंद्र की बाइक को भी

सब्बल मारकर बुरी तरह क्षतिग्रस्त कर दिया। हद तो तब हो गई जब आरोपी बाइक की चाबी छीनकर भाग निकला। इस चाबी के गुच्छे में सरकारी वन चौकी के मुख्य ताले की चाबी भी लगी थी, जिसके कारण फिलहाल पूरी वन चौकी ही बंद पड़ी है।

माफिया और अतिक्रमणकारियों के हौसले बुलंद

घायलों की शिकायत पर चंदिया पुलिस ने मामला दर्ज कर आरोपी की तलाश शुरू कर दी है, लेकिन इस घटना ने मैदानी वन अमले की सुरक्षा पर गंभीर सवालिया निशान खड़े कर दिए हैं। यह कोई पहली घटना नहीं है, बीते वर्ष भी सलैया गांव में रेत माफियाओं ने वनकर्मियों को दौड़ा-दौड़ा कर पीटा था। बार-बार हो रहे इन हमलों से साफ है कि अपराधियों के दिलो-दिमाग से कानून का खौफ पूरी तरह रफूचक्कर हो चुका है। निहत्थे और सीमित संसाधनों के भरोसे जंगलों की सुरक्षा करने वाले कर्मचारियों की जान दांव पर लगी है। स्थानीय जनता अब पुलिस और वन विभाग के आला अधिकारियों से पूछ रही है कि आखिर इन बेलगाम हमलावरों पर कड़ा हंटर कब चलेगा? यदि चंदिया पुलिस ने इस बार भी ढुलमुल रवैया अपनाया, तो सरकारी मुलाजिमों का जंगलों में ड्यूटी करना दूभर हो जाएगा।

राष्ट्रीय विद्यार्थी दिवस पर गांधी चौक में भारत माता की आरती

एबीवीपी ने मनाया 78वां स्थापना दिवस

कोतमा। राष्ट्रीय विद्यार्थी दिवस एवं अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद (एबीवीपी) के 78वें स्थापना दिवस के अवसर पर नगर इकाई कोतमा द्वारा नगर के हृदय स्थल गांधी चौक में भारत माता की भव्य आरती का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में नगर के गणमान्य नागरिकों, सामाजिक कार्यकर्ताओं एवं बड़ी संख्या में विद्यार्थी परिषद के कार्यकर्ताओं ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। सभी उपस्थितजनों ने एक स्वर में भारत माता की आरती का गायन कर राष्ट्रभक्ति, राष्ट्रीय एकता एवं भारतीय सांस्कृतिक मूल्यों के प्रति अपनी आस्था व्यक्त की। इस अवसर पर वक्ताओं ने कहा कि अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद स्थापना काल से ही राष्ट्र निर्माण, छात्र हितों की रक्षा तथा समाज में सकारात्मक बदलाव लाने के लिए निरंतर कार्य करती रही है। कार्यक्रम का उद्देश्य युवाओं में राष्ट्रप्रेम, सामाजिक समरसता और सांस्कृतिक चेतना का भाव जागृत करना रहा। कार्यक्रम का समापन भारत माता के जयघोष एवं राष्ट्रहित में कार्य करने के संकल्प के साथ हुआ।

जिला समन्वय समिति की बैठक संपन्न

उमरिया। कलेक्ट्रेट सभागार में जिला समन्वय समिति की बैठक संपन्न हुई। बैठक में माय भारत केंद्र की गतिविधियों, पोर्टल संचालन एवं आगामी कार्यक्रमों पर विस्तृत चर्चा की गई। बैठक में माय युवा भारत केंद्र के जिला युवा अधिकारी उमाशंकर त्रिवेदी शेख सलीम, पीसी विनीत कुमार, दसन पन्द्राम, खेल विभाग के अधिकारी कृष्ण कुमार झारिया' एवं एन एस एस प्रभारी डॉ. अरविंद शाह वरकड़े,संतोष तिवारी स्काउट -गाइड्स प्रभारी सहित अन्य अधिकारी उपस्थित रहे। बैठक में जिला युवा अधिकारी उमाशंकर त्रिवेदी द्वारा माय भारत पोर्टल के कार्यों की जानकारी दी गई। उन्होंने बताया कि पोर्टल के माध्यम से युवा क्विज प्रतियोगिता रजिस्ट्रेशन एवं सांस्कृतिक कार्यक्रमों में जिला स्तर, राज्य स्तर एवं राष्ट्रीय स्तर पर भाग ले सकते हैं। इसके साथ ही उन्होंने बताया कि माय युवा भारत केंद्र द्वारा अभी तक जिले में किए गए कार्यों एवं उपलब्धियों की जानकारी भी दी गई। साथ ही यह भी बताया गया कि माय भारत पोर्टल पर किस प्रकार कार्य किया जा सकता है और अधिक से अधिक युवाओं को इससे कैसे जोड़ा जा सकता है। बैठक में उपस्थित सभी अधिकारियों ने इस संबंध में अपने विचार एवं सुझाव प्रस्तुत किए। सभी ने इस बात पर सहमति जताई कि जिले के युवाओं को पोर्टल पर रजिस्ट्रेशन कराकर खेल, संस्कृति एवं राष्ट्रीय कार्यक्रमों से जोड़ा जाए, ताकि जिले की युवा शक्ति को राष्ट्र निर्माण की मुख्यधारा से जोड़ा जा सके।

एक वर्ष पूरा होने पर राहुल गांधी एकता संगठन ऑल इंडिया की बैठक संपन्न

समाजसेवा के लिए कई अहम निर्णय

बदरा/जमुना। राहुल गांधी एकता संगठन ऑल इंडिया के गठन का एक वर्ष पूर्ण होने के अवसर पर शुक्रवार 10 जुलाई को जमुना कॉलोनी के पाथरखेड़ा दफाई स्थित शासकीय स्कूल के समीप संगठन की बैठक आयोजित की गई। बैठक की अध्यक्षता राजेंद्र सिंह ने की। कार्यक्रम में संगठन के पदाधिकारियों एवं सदस्यों का स्वागत किया गया तथा नव नियुक्त पदाधिकारियों को नियुक्ति प्रमाण पत्र प्रदान किए गए।

बैठक में संगठन के माध्यम से समाजहित में अनेक महत्वपूर्ण निर्णय सर्वसम्मति से लिए गए। तय किया गया कि आर्थिक रूप से कमजोर परिवारों के बच्चों की शिक्षा में सहयोग, निर्धन परिवारों के विवाह में सहायता, जरूरतमंद लोगों की हरसंभव मदद तथा सामाजिक सरोकारों से जुड़े कार्यों को प्राथमिकता के साथ किया जाएगा। साथ ही संगठन की गतिविधियों को गांव-गांव तक पहुंचाने का भी संकल्प लिया गया। बैठक में यह भी निर्णय लिया गया कि संगठन की नियमित समीक्षा के लिए प्रत्येक माह प्रत्यक्ष बैठक आयोजित की जाएगी, जबकि प्रत्येक 15 दिन में जूम मीटिंग के माध्यम से पदाधिकारियों की बैठक लेकर सामाजिक कार्यों की प्रगति की समीक्षा की जाएगी। कार्यक्रम में गुड्डू मिश्रा (पूर्व ब्लॉक अध्यक्ष बदरा-जमुना), संतोष चौरसिया पत्रकार गुलाब रजक पत्रकार अनिल कुमार श्रीवास्तव, सत्येंद्र कुमार, मोहनलाल पाव, शंकर लाल यादव, आनंद राम सिंह, मुकेश नामदेव, संदीप सोनी, रामकुमार शर्मा, लालू प्रसाद नापित, पदम दास, चित्र दास, मोहम्मद इलियास, वेद प्रकाश ओझा, रवि प्रधान सहित सैकड़ों की संख्या में कार्यकर्ता एवं स्थानीय नागरिक उपस्थित रहे। बैठक की अध्यक्षता कर रहे राजेंद्र सिंह ने कहा कि संगठन का उद्देश्य केवल पद बांटना नहीं, बल्कि समाज के अंतिम व्यक्ति तक सहायता पहुंचाना है। उन्होंने कहा कि शिक्षा, सामाजिक सहयोग और मानव सेवा को प्राथमिकता देते हुए संगठन लगातार जनहित के कार्य करेगा तथा सभी पदाधिकारियों से सक्रिय भूमिका निभाने का आह्वान किया। पूर्व ब्लॉक अध्यक्ष गुड्डू मिश्रा ने कहा कि समाज की सेवा ही सबसे बड़ा धर्म है। संगठन द्वारा लिए गए निर्णयों को जमीनी स्तर पर लागू किया जाएगा और जरूरतमंद परिवारों, गरीब बच्चों तथा कमजोर वर्ग के लोगों की हरसंभव मदद करने के लिए सभी कार्यकर्ता एकजुट होकर कार्य करेंगे। उन्होंने नियमित बैठकों के माध्यम से संगठन को और मजबूत बनाने की बात कही।

झमाझम बारिश से किसानों के चेहरे खिले, धान की बुवाई ने पकड़ी रफ्तार

मानसून मेहरबान, खेतों में लौटी रौनक, मौसम हुआ सुहाना

कोतमा। कोतमा सहित आसपास के ग्रामीण क्षेत्रों में मानसून की सक्रियता के चलते रुक-रुककर हो रही झमाझम बारिश ने किसानों के चेहरों पर मुस्कान लौटा दी है। लगातार हो रही वर्षा से खेतों में पर्याप्त नमी आ गई है, जिससे खरीफ फसलों विशेषकर धान और मक्का की बुवाई एवं अंकुरण के लिए अनुकूल परिस्थितियां बन गई हैं। बारिश के बाद किसानों ने खेती-किसानी के कार्यों में तेजी ला दी है और धान की बुवाई का काम जोर-शोर से शुरू हो गया है।

जिले में एक जुलाई से लगातार रुक-रुककर वर्षा दर्ज की जा रही है। इस दौरान हुई बारिश ने खेतों में पानी की कमी को काफी हद तक दूर कर दिया है। जिन किसानों ने पहले ही खेतों की जुताई और पलेवा का कार्य पूरा कर लिया था, उन्होंने अब धान की बुवाई और रोपाई शुरू कर दी है। ग्रामीण क्षेत्रों में खेतों में किसानों की चहल-पहल बढ़ गई है और हर ओर हरियाली की

उम्मीद दिखाई देने लगी है। कृषि विभाग के अधिकारियों के अनुसार, अनूपपुर जिला धान उत्पादन के लिए प्रमुख क्षेत्रों में शामिल है। किसान पूरे वर्ष मानसून का इंतजार करते हैं और इस बार भी उन्होंने समय रहते खेती की तैयारी कर ली थी। पर्याप्त वर्षा होने से अब अधिकांश क्षेत्रों में बुवाई का कार्य गति पकड़ चुका है। जिन इलाकों में पहले नहरों या अन्य स्रोतों से सिंचाई की व्यवस्था की गई थी, वहां खेती पहले ही शुरू हो चुकी थी, जबकि अब वर्षा के बाद अन्य क्षेत्रों में भी कृषि गतिविधियां तेज हो गई हैं। अधिकारियों का कहना है कि यदि आगामी दिनों में इसी प्रकार नियमित वर्षा होती रही, तो जिले में इस वर्ष धान का उत्पादन बेहतर रहने की पूरी संभावना है। किसानों में भी अच्छी फसल को लेकर उत्साह देखा जा रहा है और वे पूरी लगन के साथ खेतों में जुटे हुए हैं। वहीं लगातार हो रही बारिश से आमजन को भी उमस भरी गर्मी से राहत मिली है। मौसम सुहावना हो गया है और तापमान में गिरावट आने से लोगों को ठंडक का एहसास होने लगा है। कई घरों में कूलर और पंखों का उपयोग भी कम हो गया है। कुल मिलाकर मानसून की यह बारिश किसानों के साथ-साथ आम लोगों के लिए भी राहत और खुशियां लेकर आई है।

स्कूली बच्चों से भरा ऑटो पलटा, कई घायल

कटनी। माधवनगर थाना क्षेत्र अंतर्गत दिव्यांचल मैरिज गार्डन के सामने स्कूली बच्चों से भरा एक तेज रफ्तार ऑटो अनियंत्रित होकर पलट गया। हादसा होते ही मौके पर चीख-पुकार मच गई। गनीमत रही कि घटना के वक्त वहां मौजूद स्थानीय राहगीरों और दुकानदारों ने तुरंत तत्परता दिखाई। राहगीरों ने बिना वक्त गंवाए सीधे मौके पर पहुंचकर पलटे हुए ऑटो से बच्चों को बाहर निकाला। जानकारी के अनुसार, इस हादसे में ऑटो सवार 3 से 4 स्कूली बच्चों को चोटें आई हैं। घटना के तुरंत बाद स्थानीय लोगों की मदद से घायल बच्चों को नजदीकी अस्पताल भिजवाया गया है, जहाँ उनका इलाज जारी है।

बदमाशों ने वृद्ध की जेब से 30 हजार रूपये पार

कटनी। माधवनगर थाना क्षेत्र के अंतर्गत एडीएम लाईन निवासी थाबरदास थारवानी 57 वर्ष बीती शाम शनि मंदिर के पास राबर्ट लाईन इलाके में गए हुए थे। इसी दौरान किसी अज्ञात शातिर चोर ने उनकी जेब पर हाथ साफ कर दिया। पीड़ित के मुताबिक, उनकी जेब में 30,000 रुपये नगद रखे हुए थे, जिसे चोर ने बेहद सफाई से पार कर दिया। जब थाबरदास को पैसे गायब होने का अहसास हुआ, तो उन्होंने आसपास तलाश की, लेकिन चोर का कहीं पता नहीं चला। इसके बाद उन्होंने थाने पहुंचकर शिकायत दर्ज कराई। पुलिस ने अज्ञात चोर के खिलाफ मामला दर्ज कर हुलिए के आधार पर संदेहियों की तलाश शुरू कर दी है।

खबर संक्षेप

परमानन्द तिवारी की वापसी की गुप्त साजिश का भंडाफोड़

शहडोल। वरिष्ठ नागरिक पेंशनर एसोसिएशन जिला शहडोल की पहली ही संगठनात्मक बैठक में उस वक्त भारी बवाल और सियासी ड्रामा खड़ा हो गया, जब पूर्व पदाधिकारी परमानन्द तिवारी की संगठन में पिछले दरवाजे से वापसी की एक गुप्त साजिश का सरेआम भंडाफोड़ हो गया। राजीव गांधी कंप्यूटर एवं पैरा मेडिकल कॉलेज में नवनिर्वाचित जिला अध्यक्ष आर.एल. तिवारी की अध्यक्षता में आयोजित इस बैठक में शांति की जगह तीखे तेवर और जबरदस्त अंतर्विरोध देखने को मिले।

बैठक के अंतिम सत्र में उस समय हडक्रंप मच गया जब संभागीय सदस्यता प्रभारी लोकेंद्र प्रसाद तिवारी ने मंच से परमानन्द तिवारी को दोबारा संगठन में शामिल करने की चल रही साज़िश का लाइव भंडाफोड़ कर दिया। इस खुलासे के बाद हॉल में मौजूद पेंशनर्स और सदस्यों ने जबरदस्त विरोध दर्ज कराते हुए नारेबाजी शुरू कर दी। बढ़ते आक्रोश और भारी विरोध की आवाज के बीच स्थिति को भांपते हुए कार्यवाहक प्रांताध्यक्ष रामनरेश तिवारी को खुद खड़े होकर मोर्चा संभालना पड़ा। उन्होंने सार्वजनिक रूप से कड़ा बयान जारी करते हुए दो टूक कहा मेरे रहते परमानन्द तिवारी की इस संगठन में किसी भी कीमत पर वापसी नहीं होगी।

इसके पूर्व, जिला अध्यक्ष आर.एल. तिवारी ने अपने अध्यक्षीय उद्बोधन में पदाधिकारियों को ईमानदारी से काम करने की सख्त हिदायत दी। संगठन में निष्क्रियता को बर्दाश्त न करते हुए उन्होंने एक बड़ा प्रशासनिक हंटर चलाया और जिले की सभी तहसील व ब्लॉक इकाइयों को तत्काल प्रभाव से भंग करने की सनसनीखेज घोषणा कर दी। उन्होंने साफ कहा कि जल्द ही इन अंचलों में नए सिरे से कर्मठ चेहरों का चयन किया जाएगा। बैठक में जिला कोषाध्यक्ष राममिलन शर्मा ने वर्ष 2025-26 के आय-व्यय का लेखा-जोखा भी प्रस्तुत किया। बैठक का संचालन जिला संगठन मंत्री दिलीप अग्रवाल ने किया। इस दौरान दिवंगत कंप्यूटर शिक्षक स्वर्गीय अनिल श्रीवास्तव को दो मिनट का मौन रखकर श्रद्धांजलि दी गई। कार्यक्रम में के.पी. महेंद्रा, रविकरण त्रिपाठी, एच.वी. नगाइच, संतोष पांडेय, के.के. सिंह, एस.पी. दुबे सहित भारी संख्या में पेंशनर्स मौजूद रहे।

मृतक के परिजनों का आरोप इलाज में लापरवाही

बुढ़ार CHC में हंगामाः सर्पदंश से महिला की मौत के बाद डॉक्टरों से मारपीट, स्वास्थ्य कर्मी इकट्ठा होकर थाने आये

बुढ़ार। स्थानीय सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र (CHC) में शनिवार की सुबह उस वक्त भारी हंगामा खड़ा हो गया, जब सर्पदंश से एक महिला की इलाज के दौरान लापरवाही बरती गई जिससे मौत हो गई। मौत से आक्रोशित परिजनों ने ड्यूटी पर तैनात डॉक्टर और नर्सों के साथ गाली-गलौज करते हुए हाथापाई कर दी। सुरक्षा को खतरे में देख स्वास्थ्य कर्मियों ने थाने पहुंचकर आरोपियों के खिलाफ कार्रवाई की मांग को लेकर इकट्ठा थाने पहुंचकर अपनी शिकायत दर्ज कराई।

इलाज के दौरान तोड़ा दम

जानकारी के अनुसार, शनिवार सुबह लगभग पौने आठ बजे धनपुरा गांव निवासी प्रेमा सिंह (पति तेज बहादुर) को सर्प काटने के बाद परिजनों ने उपचार के लिए बुढ़ार सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में भर्ती कराया था। ड्यूटी पर तैनात डॉक्टर कुलदीप सिंह ने तत्काल कार्रवाई करते हुए महिला को ड्रीप लगाकर इलाज शुरू किया। हालांकि, शरीर में जहर फैल जाने के कारण कुछ ही देर में महिला ने दम तोड़ दिया।

डॉक्टर और नर्सों के साथ हाथापाई

महिला की मौत की खबर मिलते ही उसके परिजन उग्र हो गए। उन्होंने अस्पताल में हंगामा शुरू कर दिया और ड्यूटी पर मौजूद डॉक्टर कुलदीप सिंह, नर्स रूपकला पटेल तथा नेहा पांडेय के साथ अभद्र भाषा का प्रयोग करते हुए हाथापाई पर उतारू हो गए। किसी तरह डॉक्टरों और अन्य स्वास्थ्य कर्मियों ने मौके से भागकर अपनी जान बचाई।

डॉक्टर एकजुट होकर पहुंचे थाने

इस घटना से आक्रोशित होकर सुबह करीब 10 बजे सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र के समस्त डॉक्टरों और कर्मचारियों ने एकजुटता दिखाई। वे सभी बुढ़ार थाने पहुंचे और आरोपी प्रमोद सिंह व अन्य के खिलाफ सख्त कानूनी कार्रवाई की मांग को लेकर न्याय की गुहार लगाई। ड्यूटी पर तैनात डॉक्टर कुलदीप सिंह की शिकायत पर पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

प्रशासन की मौजूदगी में हुआ पोस्टमार्टम

घटना की संवेदनशीलता को देखते हुए प्रशासनिक अधिकारियों की मौजूदगी में मृतका के शव का पोस्टमार्टम कराया गया। इसके बाद पुलिस ने पंचनामा तैयार कर शव को अंतिम संस्कार के लिए परिजनों को सौंप दिया है।

वर्तमान में पुलिस ने मर्ग कायम कर लिया है और दोनों पक्षों (अस्पताल प्रबंधन व मृतका के परिजन) के बयानों के आधार पर मामले की विस्तृत जांच कर रही है। स्वास्थ्य विभाग ब्लाक मेडिकल अधिकारी सचिन कारखूर,डा सौरभ सिंह, सहित समस्त कर्मचारियों ने थाने लिखित रूप से शिकायत दी है।

इनका कहना है:

डॉक्टर एवं पीड़ित के परिजनों ने चिकित्सक के द्वारा लापरवाही बरतने का आरोप लगाया है, और चिकित्सक ने मारपीट करने जिसकी बारीकी से जांच की जा रही है। जांच के बाद जो भी तथ्य सामने आएंगे, उसी आधार पर आगे की वैधानिक कार्रवाई की जाएगी।

विनय सिंह गहरवार नगर निरीक्षक बुढार

वाइल्ड लाइफ प्रोटक्शन के लिए कार्यशाला का हुआ आयोजन

परीक्षा में उत्कृष्ट अंक प्राप्त करने वाले वन कर्मियों के बच्चे हुए पुरस्कृत

ब्यौहारी। उप वन मंडल व्यवहारी के अंतर्गत डिपो में वन विभाग की कार्यशाला का आयोजन किया गया कार्यशाला में वाइल्डलाइफ प्रोटक्शन और किस तरह से वन अपराध को पंजीबद्ध करना फिर उसको न्यायालय में प्रस्तुत करने जिससे कोई भी अपराधी छूटने न पाए किस्से संबंधित कानूनी जानकारी दी गई

इसकी जानकारी वाइल्ड लाइफ की प्रसिद्ध एडवोकेट मंजू सिंह द्वारा बन कर्मियों को इसकी जानकारी विस्तार से दी इसके बाद दूसरे सत्र में उत्तर वन मंडल की डीएफओ करुणा

वर्मा द्वारा 10वीं 12वीं में 70% से ऊपर अंक प्राप्त करने वाले वन विभाग के अधिकारी कर्मचारियों के बच्चों को प्रमाण पत्र बैंक एवं स्मृति चिन्ह देकर सम्मानित किया कार्यक्रम में उपस्थित नौ बच्चों को सम्मानित किया गया इसके अलावा भी जो बच्चे आज के कार्यक्रम में नहीं पहुंच पाए वह यह पुरस्कार अपने रेंज कार्यालय से प्राप्त करेंगे।

कार्यक्रम का संचालन मनोज सोनवानी डिप्टी रेंजर द्वारा किया गया कार्यक्रम में प्रमुख रूप से अंसज सिंह भदौरिया एसडीओ, बृजेंद्र सिंह पेंड्राम प्रशिक्षु एसडीओ, अशोक निगम रेंजर पश्चिम, रजनीश त्रिपाठी रेंजर गोदावाल, संदीप गौतम रेंजर पूर्व, केपी प्रजापति रेंजर , एवं डिप्टी रेंजर धनीराम पेंड्रो, संतोष चौधरी, मूरत सिंह,आर टी सेन , रामनरेश सिंह डिप्टी रेंजर एवं सैकड़ो बीट गार्ड एवं उनके परिजन उपस्थित थे वन मंडला अधिकारी ने उत्कृष्ट अंक लाने वाले बैंड कर्मियों के बच्चों को और भी अच्छा प्रदर्शन करने की शुभकामनाएं दी कार्यक्रम का संचालन मनोज सोनवानी डिप्टी रेंजर द्वारा किया गया।

किसानों को समितियों में नहीं मिल रही पर्याप्त खाद

ब्यौहारी। बुवाई ईस सीजन में किसानों को पर्याप्त खाद नहीं मिल रही है सेवा सहकारी समिति भन्नी के किसान संजय वैश ने बताया कि सरकार द्वारा परमिट घटा दिया गया है पहले जहां 10 बोरी मिलता था अब पांच ही बोरी मिल रहा है वहीं जब यूरिया मिलता है तो डीएपी नहीं जब डीएपी मिलता है तो यूरिया नहीं पर्याप्त खाद न मिलने के कारण हम लोगों को बाजार से

यूरिया डीएपी खरीदना पड़ता है बाजार में यूरिया डीएपी सीधे डबल रेट में व्यापारियों द्वारा बेचा जाता है मध्य प्रदेश सरकार द्वारा भले यह दावा किया जाता है कि किसानों को पर्याप्त खाद मिल रही है लेकिन धरातल पर स्थित कुछ अलग ही नजर आती है किसानों ने समितियों में पर्याप्त डीएपी यूरिया उपलब्ध कराए जाने की मांग की है।

उमरिया पुलिस ने छात्रों को साइबर सुरक्षा सिखाईः सेफ क्लिक अभियान 2.0 के तहत दी ऑनलाइन ठगी से बचाव की जानकारी

उमरिया। पुलिस मुख्यालय भोपाल द्वारा चलाए जा रहे 15 दिवसीय 'सेफ क्लिक अभियान 2.0' के तहत उमरिया पुलिस अधीक्षक विजय भागगवानी के निर्देशन व अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक आलोक शर्मा एवं एसडीओपी पी.एस परस्ते के मार्गदर्शन पर उमरिया कोतवाली थाना प्रभारी मदनलाल मरावी, साइबर एक्सपर्ट संदीप सिंह की उपस्थिति में कन्या शिक्षा परिसर उमरिया मेंजागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया। इस कार्यक्रम में विद्यार्थियों और शिक्षकों को ऑनलाइन ठगी से बचाव के तरीके बताए गए। थाना प्रभारी मदनलाल मरावी ने विद्यार्थियों को साइबर अपराधों के बढ़ते मामलों के प्रति सतर्क रहने की सलाह दी। उन्होंने बताया कि किसी भी व्यक्ति के साथ ओटीपी, सीवीवी और यूपीआई पिन साझा न करें। केवैयसी अपडेट के नाम पर आने वाली संदिग्ध कॉल और मैसेज से सावधान रहें और किसी भी अनजान लिंक पर क्लिक करने से बचें। मरावी ने जोर दिया कि थोड़ी सी सावधानी बरतकर साइबर ठगी से बचा जा सकता है। साइबर एक्सपर्ट संदीप सिंह ने स्टूडेंट्स को ऑनलाइन ठगी, फर्जी कस्टमर केयर, डिजिटल अरेस्ट, फिशिंग लिंक और सोशल मीडिया फ्रॉड से बचने के तरीके बताए। साथ ही उन्हें सुरक्षित डिजिटल व्यवहार अपनाने के लिए जागरुक किया गया। युवा टीम संयोजक हिमांशु तिवारी ने बताया कि इस अभियान का मुख्य उद्देश्य समाज के प्रत्येक वर्ग, विशेषकर युवाओं, विद्यार्थियों, महिलाओं एवं वरिष्ठ नागरिकों को साइबर सुरक्षा के प्रति जागरूक बनाकर सुरक्षित एवं जिम्मेदार डिजिटल नागरिक तैयार करना है। मध्य प्रदेश पुलिस का यह प्रयास जनभागीदारी के माध्यम से साइबर अपराधों पर प्रभावी नियंत्रण की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। इस दौरान उमरिया कोतवाली थाना प्रभारी मदनलाल मरावी, साइबर एक्सपर्ट संदीप सिंह, प्रधान आरक्षक प्रभाकर पटेल, युवा टीम संयोज हिमांशु तिवारी, राहुल सिंह, विद्यालय शिक्षक इंदरसिंह, लोटन अनुरागी, ओमकार गुप्ता, विनोद गौतम, प्रियंका सिंह,अश्मिता त्रिवेदी, कमलकांत सिंह राठौर, धीरज पांडेय, अभिलाष नामदेव, वंदना सिंह व सभी विद्यार्थी उपस्थित रहे। कार्यक्रम के अंत में सभी विद्यार्थियों को साइबर सुरक्षा की शपथ दिलाई गई। उन्होंने स्वयं सुरक्षित डिजिटल व्यवहार अपनाने, परिवार और मित्रों को जागरूक करने तथा किसी भी संदिग्ध ऑनलाइन गतिविधि की सूचना तत्काल पुलिस को देने का संकल्प लिया।

भक्ति रस में डूबा शहडोलः स्वामी युगल शरण जी के सान्निध्य में त्रिदिवसीय सत्संग शुरू

शहडोल। शहडोल नगर का मोती महल होटल प्रांगण इन दिनों पूरी तरह से भक्ति, अध्यात्म और दिव्य तरंगों से सराबोर हो उठा है। जगद्गुरुत्तम स्वामी श्री कृपालु जी महाराज के परम शिष्य और प्रमुख प्रचारक डॉ. स्वामी युगल शरण जी महाराज के पावन सान्निध्य में यहां 10 जुलाई से ऐतिहासिक तीन दिवसीय सत्संग कार्यक्रम का भव्य शंखनाद हुआ। 12 जुलाई 2026 तक चलने वाले इस आध्यात्मिक अनुष्ठान में उमड़ रहे श्रद्धालुओं के सैलाब से पूरा वातावरण राधे-राधे के जयघोष से गुंजायमान है।

इस त्रिदिवसीय समागम में भक्तों के आध्यात्मिक सशक्तिकरण के लिए अद्भुत कार्यक्रमों की श्रृंखला सजी है। प्रातः और सायं कालीन सत्रों में जहां स्वामी जी के मुखारविंद से ज्ञान की अविरल धारा बह रही है, वहीं नगर संकीर्तन (परिक्रमा) से संपूर्ण नगर भक्तिमय हो गया है। आंतरिक शांति

की खोज में आए साधकों के लिए विशेष रूप से आयोजित रूपध्यान साधना आकर्षण का केंद्र बनी हुई है। इसके अलावा श्री कृपालु जी महाराज की दिव्य लीलाओं के वीडियो दर्शन, आध्यात्मिक शंका समाधान के लिए प्रश्नोत्तर सत्र, 6एस कार्यक्रम तथा भक्तों से व्यक्तिगत भेंट जैसे आयोजनों ने श्रद्धालुओं को मंत्रमुग्ध कर दिया है। सत्संग की अमृत वर्षा करते हुए पूज्य स्वामी युगल शरण जी महाराज ने जगद्गुरु श्री कृपालु जी महाराज द्वारा रचित पदों की अत्यंत गूढ़ एवं रसमयी व्याख्या की। उन्होंने वृषभानु-नंदिनी श्रीराधारानी की भक्ति और प्रेम-साधना का मार्ग प्रशस्त करते हुए कहा कि जो जीव आठों प्रहर किशोरी जी के चरण कमलों का ध्यान करता है और निशि-वासर (दिन-रात) अश्रुधार बहाते हुए उनके नाम का जप करता है, उसका अंतःकरण शुद्ध हो जाता है। स्वामी जी ने दिव्य धाम की सेवा, राधारानी के पवित्र चरित्र के श्रवण-कीर्तन और संतों की संगति को प्रेम-सुधा रस प्राप्त करने का एकमात्र सरल साधन बताया। इस अलौकिक समागम को सफल बनाने में शहडोल यूनिट के प्रभारी राम बहादुर तिवारी, दिनकर त्रिपाठी, रवींद्र पाठक, शिवेंद्र सिंह परिहार, आलोक त्रिपाठी सहित लक्ष्मी तिवारी, संगीता पाठक, रजनी मिश्रा, सुमन सिंह, सरोज तिवारी और द्वारिका त्रिपाठी पूरी तन्मयता से जुटे हैं। समिति ने समस्त नगर वासियों से अपील की है कि वे इस दुर्लभ अवसर को न गंवाएं और सत्संग में पधारकर स्वामी जी के आशीष से अपने जीवन को धन्य बनाएं।

मलमूत्र ओवर फ्लो, पानी में डूब रही जनता

रेलवे फाटक संघर्ष समिति ने दी आंदोलन की खुली चेतावनी

शहडोल। शहर के पुरानी बस्ती और पचगांव रोड को जोडऩे वाला रेलवे अंडरपास आम जनता के लिए राहत नहीं, बल्कि साक्षात नरक का द्वार बन चुका है, तीन साल पहले बंद किए गए रेलवे फाटक के बाद थोपे गए इस घटिया अंडरपास ने स्थानीय नागरिकों का जीना मुहाल कर दिया है, बदहाली से त्रस्त रेलवे फाटक संघर्ष समिति ने अब आर-पार की लड़ाई का ऐलान करते हुए रेल मंत्री अश्वनी वैष्णव, एसईसीआर जोन बिलासपुर के जीएम और डीआरएम को सीधे तौर पर 15 दिनों का अल्टीमेटम थमा दिया है, समिति ने दो टूक चेतावनी दी है कि यदि समस्याओं का तत्काल समाधान नहीं हुआ, तो हजारों की संख्या में जनता रेलवे दफ्तर का घेराव कर उग्र जनआंदोलन करेगी।

शहडोल रेलवे प्रशासन और सडक़ ठेकेदार की जुगलबंदी से हुए भ्रष्टाचार की पोल इस अंडरपास की बदहाली साफ खोल रही है, शिवम होटल की तरफ से आने वाला शहर का मुख्य गंदा नाला इस अंडरपास में आकर समाप्त होता है, जिससे सालभर मलमूत्र युक्त गंदा पानी सडक़ पर ओवरफ्लो होकर दो से तीन फीट तक भरा रहता है, निर्माण के समय से ही जीर्ण-शीर्ण हो चुकी सडक़ें अब पूरी तरह उखड़ चुकी हैं, हद तो यह है कि रेलवे द्वारा शुरू की गई एक अन्य कांक्रीट रोड को भी बीच में ही अधूरा और कच्चा छोड़ दिया गया है, जिससे धूल और हादसों का तांडव जारी है।

अंडरपास के दोनों ओर बिजली का एक भी खंभा नहीं लगाया गया है, जिससे रात होते ही यहां खौफनाक सन्नाटा पसर जाता है, इस घने अंधेरे की आड़ में असामाजिक तत्व खुलेआम शराबखोरी, महिलाओं से छेड़छाड़ और लूटपाट की वारदातों को अंजाम देते है, सुरक्षा के नाम पर न तो यहां स्ट्रीट लाइटें हैं और न ही कोई सीसीटीवी कैमरा लगा है।

गैर-जिम्मेदारी की सारी हदें पार हो चुकी हैं, इस नरकीय मार्ग से न तो मंदिर-मस्जिद जाने का रास्ता बचा है और न ही मेडिकल इमरजेंसी में एम्बुलेंस या फायर ब्रिगेड निकल सकती हैं, यहां तक कि शव यात्राओं को भी घुटने भर गंदे पानी से होकर गुजरना पड़ रहा है। संघर्ष समिति के संयोजक नरेंद्र दुबे (एडवोकेट), नगरपालिका अध्यक्ष उर्मिला कटारे, उपाध्यक्ष कुलदीप निगम सहित भाजपा, कांग्रेस और सपा के दिग्गज नेताओं ने संयुक्त रूप से मांग की है कि इस अनुपयोगी अंडरपास की जगह तुरंत फ्लाई ओवर ब्रिज का सर्वे कराया जाए, साथ ही बंद फाटक पर फुट ओवर ब्रिज का निर्माण हो, समिति ने साफ कहा है कि रेलवे की जमीनों पर पसरे अतिक्रमण को तत्काल हटाया जाए, जिसके खिलाफ माननीय उच्च न्यायालय जबलपुर में जनहित याचिका भी विचाराधीन है, यदि 15 दिन में ड्रेनेज, लाइट और सडक़ दुरुस्त नहीं हुई, तो रेलवे चक्काजाम के लिए तैयार रहे।

शिक्षक की सबसे बड़ी पहचान उसके विद्यार्थियों और संस्कारों से होती हैः कुलगुरु

प्रो. सुनीता बाथरे को भावभीनी एवं गरिमामयी विदाई

शहडोल। पंडित शंभूनाथ शुक्ल विश्वविद्यालय में कला संकाय की पूर्व संकायाध्यक्ष एवं अर्थशास्त्र विभाग की पूर्व विभागाध्यक्ष प्रो. सुनीता बाथरे के सम्मान में भव्य विदाई समारोह का आयोजन किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता विश्वविद्यालय के कुलगुरु प्रो. राम शंकर ने की, जबकि समारोह की मुख्य अतिथि स्वयं सेवानिवृत्त प्राध्यापिका प्रो. सुनीता बाथरे रहीं।

कार्यक्रम का शुभारंभ माँ सरस्वती के चित्र पर माल्यार्पण एवं दीप प्रज्वलन से हुआ। इसके पश्चात विश्वविद्यालय के संगीत विभाग के विद्यार्थियों ने सरस्वती वंदना एवं मनमोहक सांस्कृतिक प्रस्तुति देकर समारोह को गरिमामय बना दिया। इस अवसर पर प्रो. सुनीता बाथरे का श्रीफल, शॉल एवं स्मृति-चिन्ह भेंट कर आत्मीय सम्मान किया गया। उपस्थित शिक्षकों एवं अधिकारियों ने उनके चार दशकों से अधिक के उत्कृष्ट शैक्षणिक, प्रशासनिक एवं मानवीय योगदान को स्मरण करते हुए उन्हें भावभीनी शुभकामनाएं दीं।

अपने उद्बोधन में डॉ. चेतना सिंह ने कहा कि प्रो. सुनीता बाथरे ने सदैव विद्यार्थियों के सर्वांगीण विकास को प्राथमिकता दी तथा अपनी कार्यशैली, अनुशासन एवं सहज व्यवहार से सभी के लिए प्रेरणास्त्रोत बनीं। उनका जीवन युवा शिक्षकों के लिए एक आदर्श है। डॉ. गीता सराफ ने कहा कि प्रो. बाथरे ने विश्वविद्यालय में शिक्षा, शोध एवं प्रशासनिक कार्यों के बीच उत्कृष्ट समन्वय स्थापित किया। उनकी सादगी, संवेदनशीलता और कार्यनिष्ठा सदैव स्मरणीय रहेगी तथा उनका अनुभव आने वाली पीढ़ियों का मार्गदर्शन करता रहेगा।

छात्र कल्याण अधिष्ठाता डॉ. प्रमोद पाण्डेय ने कहा कि प्रो. सुनीता बाथरे का सम्पूर्ण सेवाकाल विद्यार्थियों के हित, गुणवत्तापूर्ण शिक्षा और संस्थागत विकास के लिए समर्पित रहा। उन्होंने विश्वविद्यालय की शैक्षणिक गतिविधियों को नई दिशा देने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई।

प्रो. प्रवीण शर्मा ने कहा कि प्रो. बाथरे ने अपने ज्ञान, सरल व्यक्तित्व और सकारात्मक सोच से शिक्षकों एवं विद्यार्थियों के बीच सदैव सम्मान अर्जित किया। उनका योगदान विश्वविद्यालय के इतिहास में सदैव स्वर्णाक्षरों में अंकित रहेगा। कुलसचिव डॉ. आशीष तिवारी ने कहा कि प्रो. सुनीता बाथरे ने अपने प्रशासनिक दायित्वों का निर्वहन अत्यंत दक्षता, पारदर्शिता एवं समर्पण के साथ किया। उन्होंने विश्वविद्यालय परिवार के बीच सदैव सहयोग एवं समन्वय की भावना को मजबूत किया। उनका अनुभव और मार्गदर्शन आगे भी विश्वविद्यालय परिवार के लिए प्रेरणादायी रहेगा। अपने भावुक धन्यवाद उद्बोधन में प्रो. सुनीता बाथरे ने विश्वविद्यालय परिवार के प्रति आभार व्यक्त करते हुए कहा कि उन्हें अपने लंबे सेवाकाल में सभी सहयोगियों, विद्यार्थियों एवं अधिकारियों का भरपूर स्नेह और सहयोग मिला। उन्होंने कहा कि यह सम्मान उनके लिए जीवन की अमूल्य धरोहर रहेगा तथा वे सदैव विश्वविद्यालय की उन्नति और प्रगति की कामना करती रहेंगी।

अध्यक्षीय उद्बोधन में कुलगुरु प्रो. राम शंकर ने कहा कि किसी भी विश्वविद्यालय की वास्तविक पूंजी उसके समर्पित शिक्षक होते हैं। प्रो. सुनीता बाथरे ने अपने ज्ञान, अनुशासन, ईमानदारी और कर्तव्यनिष्ठा से विश्वविद्यालय की उत्कृष्ट परंपराओं को सुदृढ़ किया है। उन्होंने कहा कि एक शिक्षक कभी सेवानिवृत्त नहीं होता, बल्कि उसका अनुभव समाज और शिक्षा जगत का मार्गदर्शन करता रहता है। उन्होंने प्रो. बाथरे के स्वस्थ, सुखद एवं सक्रिय जीवन की मंगलकामनाएँ व्यक्त करते हुए कहा कि उनका अनुभव विश्वविद्यालय को भविष्य में भी मिलता रहेगा। कार्यक्रम का प्रभावी संचालन डॉ. आदर्श तिवारी ने किया। समारोह में विश्वविद्यालय के सभी संकायाध्यक्ष, विभागाध्यक्ष, प्राध्यापक, सह-प्राध्यापक, सहायक प्राध्यापक, अतिथि विद्वान, अधिकारी, कर्मचारी एवं बड़ी संख्या में शोधार्थी एवं विद्यार्थी उपस्थित रहे। सभी ने प्रो. सुनीता बाथरे के उज्ज्वल, स्वस्थ एवं सुखमय जीवन की शुभकामनाएं देते हुए उन्हें भावभीनी विदाई प्रदान की।

खबर संक्षेप

पोस्ट मैट्रिक छात्रवृत्ति आवेदन की अंतिम तिथि बढ़ी

कटनी। पिछड़ा वर्ग एवं अल्पसंख्यक कल्याण विभाग द्वारा संचालित पोस्ट मैट्रिक छात्रवृत्ति योजना के अंतर्गत शैक्षणिक सत्र 2025-26 के विद्यार्थियों को एक और अवसर प्रदान किया गया है। ऐसे विद्यार्थी जो किसी कारणवश पूर्व में नवीन या नवीनीकरण आवेदन करने से वंचित रह गए थे, वे अब 31 जुलाई 2026 तक आवेदन कर सकेंगे। सहायक संचालक पिछड़ा वर्ग तथा अल्पसंख्यक कटनी ने बताया कि नवीन या नवीनीकरण आवेदन करने से वंचित रह गए छात्रों के लिए एमपीटास पोर्टल को पुनः खोला गया है, जिससे पात्र छात्र-छात्राएं समय सीमा के भीतर अपना आवेदन पूर्ण कर सकें। सभी पात्र विद्यार्थियों से अपील की गई है कि वे निर्धारित तिथि से पहले पोर्टल पर जाकर आवेदन प्रक्रिया पूरी करें, ताकि उन्हें छात्रवृत्ति योजना का लाभ मिल सके।

लोक अदालत का आयोजन 12 सितंबर को,

कटनी। राष्ट्रीय विधिक सेवा प्राधिकरण के निर्देशानुसार जिले में 12 सितंबर को नेशनल लोक अदालत का आयोजन किया जाएगा। लोक अदालत में न्यायालयों में लंबित विभिन्न प्रकृति के प्रकरणों के साथ-साथ प्री-लिटिगेशन प्रकरणों का आपसी सुलह-समझौते के माध्यम से त्वरित एवं सरल निराकरण किया जाएगा। जिला विधिक सेवा प्राधिकरण ने आम नागरिकों से अपील की है कि वे इस अवसर का लाभ उठाते हुए अधिक से अधिक संख्या में लोक अदालत में उपस्थित होकर अपने मामलों का त्वरित, सुलभ एवं सौहार्दपूर्ण समाधान प्राप्त करें।

विधवा श्रमिकों को आजीवन सहायता दे रही 'कल्याणी योजना'

कटनी। श्रम विभाग, मध्यप्रदेश द्वारा संचालित 'कल्याणी सहायता योजना' श्रमिकों के परिवारों, विशेषकर विधवा पत्नियों के लिए आर्थिक संबल का महत्वपूर्ण माध्यम बन रही है। इस योजना के तहत पंजीकृत श्रमिक की मृत्यु के बाद उसकी पत्नी को आजीवन आर्थिक सहायता प्रदान की जाती है, जिससे वह सम्मानपूर्वक अपना जीवनयापन कर सके। श्रम विभाग द्वारा दी गई जानकारी के अनुसार योजना का लाभ प्राप्त करने के लिए हितग्राही को नजदीकी लोक सेवा केंद्र के माध्यम से ऑनलाइन आवेदन करना होगा।

वरिष्ठ सेवानिवृत्त शिक्षक अरविंद सिंह का निधन, शिक्षा एवं सामाजिक जगत में शोक

अनूपपुर। जिले के वरिष्ठ एवं सेवानिवृत्त शिक्षक अरविंद सिंह का शुक्रवार देर शाम निधन हो गया। वे पिछले तीन-चार माह से अस्वस्थ थे और उनका उपचार तमिलनाडु के वेल्लूर स्थित सीएमसी अस्पताल में चल रहा था। उपचार के दौरान उन्होंने अंतिम सांस ली। स्वर्गीय अरविंद सिंह समाजसेवी शिक्षक अनिल सिंह एवं वरिष्ठ अधिवक्ता अखिलेश सिंह के बड़े भाई थे। उनके निधन की खबर मिलते ही शिक्षा, सामाजिक एवं अधिवक्ता जगत में शोक की लहर दौड़ गई। उनके शुभचिंतकों, सहयोगियों एवं परिचितों ने गहरा दुख व्यक्त करते हुए उन्हें विनम्र श्रद्धांजलि अर्पित की। अरविंद सिंह अपने सरल, सौम्य, मिलनसार एवं सेवाभावी व्यक्तित्व के लिए जाने जाते थे। उन्होंने अपने शिक्षकीय जीवन में अनेक विद्यार्थियों का मार्गदर्शन किया और समाज में शिक्षा के प्रति सकारात्मक वातावरण बनाने में महत्वपूर्ण योगदान दिया। उनके निधन से जिले ने एक सम्मानित शिक्षक और समाज ने एक संवेदनशील व्यक्तित्व को खो दिया है। परिजनों के अनुसार, स्वर्गीय अरविंद सिंह का अंतिम संस्कार रविवार को उनके गृह नगर में किया जाएगा, जिसमें परिजन, रिश्तेदार, शुभचिंतक एवं बड़ी संख्या में नगरवासी शामिल होकर उन्हें अंतिम विदाई देंगे। ईश्वर दिवंगत आत्मा को शांति प्रदान करें तथा शोकाकुल परिवार को इस कठिन समय में संबल दें।

जनप्रतिनिधियों के गांव में ही सुरक्षा बेहाल...

राजेंद्रग्राम की सड़कों पर बदमाश बेलगाम

कैमरों के बिना बेखौफ घूम रहे अपराधी...

अनूपपुर। जिले का राजेंद्रग्राम नगर अब अपराधियों की शरणस्थली बनता जा रहा है। यहां बीते दो साल पहले लगाए गए हल्के व सस्ते कैमरे मात्र तीन महीनों में ही दम तोड़ बैठे। अब नगरवासी एक बार फिर उन्नत और टिकाऊ सीसीटीवी कैमरों की मांग कर रहे हैं। यहां की सडक़ों पर होने वाले अवैध गतिविधियों पर लगाम कसने के लिए निगरानी बेहद जरूरी है। जिले के पुष्पराजगढ़ तहसील मुख्यालय का राजेंद्रग्राम नगर सिर्फ एक कस्बा नहीं, यह अनूपपुर जिले का अहम प्रशासनिक और राजनीतिक केंद्र भी है। यही वह स्थान है जहां से सांसद और विधायक की जमीनी पहचान जुड़ी हुई है, मगर सुरक्षा व्यवस्था के हालात खस्ता हैं। बीते दो साल पहले कुछ सस्ते और हल्के कैमरे तो जरूर लगाए गए थे, लेकिन तीन महीनों में ही सभी खराब हो गए। आज नगर की हालत ये है कि शराब की पैकारी से लेकर गांजा तस्करी और चोरी तक के लिए ये सडक़ें मुफीद रास्ते बन चुकी हैं। पुलिस के पास जब कोई केस आता है, तो फुटेज के अभाव में जांच अधर में लटक जाती है। ऐसे में नगरवासियों ने अब एक स्वर में अच्छी गुणवत्ता के सीसीटीवी कैमरे लगाने की मांग उठाई है। ये सिर्फ एक मांग नहीं, बल्कि नगर की सुरक्षा की बुनियादी जरूरत बन चुकी है।

कैमरों की कब्रगाह बना राजेंद्रग्राम

पिछले दो साल पहले ग्राम पंचायत ने कुछ सस्ते और हल्के कैमरे लगाकर औपचारिकता निभा दी थी। शुरुआती दिनों में उन्होंने काम भी किया,

लेकिन मात्र तीन महीने में सब खराब हो गए। इसके बावजूद न तो उन्हें दुरुस्त किया गया और न ही नए कैमरों की व्यवस्था हुई। अफसरों की लापरवाही से अपराधियों को खुली छूट मिल गई। अब सवाल यह है कि क्या राजेंद्रग्राम की जनता दोबारा उसी गलती का शिकार बनेगी या इस बार जिम्मेदार अफसरों को जगाया जाएगा?

अपराध दौड़ते रहे कैमरे ठहर गए

राजेंद्रग्राम की सडक़ें सिर्फ सफर का जरिया नहीं, बल्कि अवैध धंधों की पगडंडी बन चुकी हैं। चाहे गांजे की तस्करी हो या देसी शराब की पैकारी, हर अवैध गतिविधि का आरंभ और अंत यहीं होता है। बाइक पर सवार संदिग्ध चेहरे रात के अंधेरे में तेजी से फरार हो जाते हैं, और पुलिस के पास सबूत नहीं होता। यदि हर प्रमुख तिराहे पर कैमरा हो, तो न केवल अपराधियों की पहचान होगी बल्कि उनकी लोकेशन तक ट्रैक की जा सकेगी।

सुबूत बिना साजिशे सफल

जैसे ही किसी वारदात की जानकारी थाने में पहुंचती है, पुलिस की पहली उम्मीद सीसीटीवी फुटेज होती है। लेकिन जब राजेंद्रग्राम जैसे मुख्यालय में कैमरे ही नहीं हैं, तो जांच कैसे आगे बढ़े? पुलिस अधिकारियों के अनुसार कई मामलों में आरोपी इसी वजह से पकड़ में नहीं आते। कैमरे की अनुपस्थिति ने पुलिस की आंखें बंद कर दी हैं, और अपराधियों को खुलेआम चलने की छूट मिल गई है। यह हालात प्रशासन के लिए चेतावनी से कम नहीं।

जनप्रतिनिधि यहीं के पर सुरक्षा लावारिश

जिस नगर में जिले के सांसद और विधायक का गृहग्राम हो, वहां कानून व्यवस्था की ये हालत शर्मनाक है। यह न सिर्फ स्थानीय प्रशासन बल्कि जनप्रतिनिधियों की जिम्मेदारी भी बनती है कि वे अपने क्षेत्र की सुरक्षा को प्राथमिकता दें। कैमरे लगवाना कोई असंभव कार्य नहीं, पर इसके लिए इच्छाशक्ति चाहिए। यदि जनप्रतिनिधि चाहें तो महज कुछ हफ्तों में पूरे क्षेत्र को हाई-टेक निगरानी से जोड़ा जा सकता है।

जुर्म के जोन पर निगरानी जीरो

नगरवासियों और पुलिस विभाग की राय में कुछ स्थान ऐसे हैं जहां सीसीटीवी कैमरे तत्काल लगाए जाने चाहिए। इनमें करौंदी तिराहा, सांघा-बेनीबारी तिराहा, बस स्टैंड, थाना परिसर, सेंट्रल बैंक और एफसीआई गोदाम तिराहा प्रमुख हैं। इन जगहों से या तो भारी आवाजाही होती है या फिर ये आपराधिक गतिविधियों के लिहाज से संवेदनशील माने जाते हैं। यदि इन बिंदुओं पर निगरानी हो तो पूरा नगर नियंत्रण में आ सकता है।

राष्ट्रीय राजमार्ग-43 पर कभी भी हो सकता है बड़ा हादसा, विभाग की अनदेखी से बढ़ा खतरा

बरसात में गड्ढों में भर रहा पानी, दरारों और क्षतिग्रस्त पुलियों से वाहन चालकों की बढ़ी परेशानी

अनूपपुर। अनूपपुर से मनेन्द्रगढ़ को जोड़ने वाला राष्ट्रीय राजमार्ग-43 इन दिनों बदहाल स्थिति में है। सड़क पर जगह-जगह बने गड्ढे, उभर आई लंबी दरारें और पुलियों पर क्षतिग्रस्त हिस्से लगातार दुर्घटनाओं को आमंत्रित कर रहे हैं। बरसात के कारण इन गड्ढों में पानी भर जाने से उनकी गहराई का अंदाजा नहीं लग पाता, जिससे दोपहिया और चारपहिया वाहन चालकों के लिए जोखिम कई गुना बढ़ गया है। अनूपपुर से कोतमा और आगे बेलिया फाटक तक सड़क के कई हिस्सों में पूर्व में कराए गए पैचवर्क भी उखड़ चुके हैं। कोतमा से बेलिया फाटक, अनूपपुर से कोतमा, बदरा के समीप गोडहारी पुलिया तथा भारत पेट्रोलियम डिपो के आगे पुल सहित कई स्थानों पर सड़क बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो चुकी है। कई जगह सड़क बीच से फटती हुई दिखाई दे रही है, जबकि पुलों के ऊपर बने गड्ढे वाहन चालकों के लिए गंभीर खतरा बने हुए हैं।

टोल टैक्स की वसूली, लेकिन सड़क बदहाल

स्थानीय लोगों का कहना है कि टोल टैक्स के रूप में बड़ी राशि वसूली जा रही है, लेकिन सड़क की नियमित मरम्मत और रखरखाव पर अपेक्षित ध्यान नहीं दिया जा रहा। एमपीआरडीसी द्वारा पूर्व में सीमेंट से पैचवर्क कराया गया था, लेकिन वह कुछ ही दिनों में उखड़ गया। इसके बाद दोबारा प्रभावी मरम्मत नहीं कराए जाने से सड़क की हालत लगातार बिगड़ती जा रही है।

दोपहिया वाहन चालकों पर सबसे अधिक खतरा

अनूपपुर से बेलिया फाटक तक लगभग 52 किलोमीटर लंबे मार्ग में दो दर्जन से अधिक स्थानों पर गड्ढे और दरारें बन चुकी हैं। इनसे गुजरते समय दोपहिया वाहनों का संतुलन बिगड़ने का खतरा बना रहता है। स्थानीय लोगों के अनुसार, इन गड्ढों के कारण पहले भी कई दुर्घटनाएं हो चुकी हैं, लेकिन संबंधित विभाग ने अब तक स्थायी समाधान की दिशा में कोई ठोस कदम नहीं उठाया है।

यात्री प्रतीक्षालय और पेयजल सुविधा भी बदहाल

राष्ट्रीय राजमार्ग किनारे बनाए गए कई यात्री प्रतीक्षालय जर्जर हो चुके हैं। बरसात के मौसम में यात्रियों को खुले में खड़े होकर बसों का इंतजार करना पड़ता है। वहीं सड़क निर्माण के दौरान हटाए गए हैंडपंपों के स्थान पर अब तक वैकल्पिक पेयजल व्यवस्था नहीं की गई है, जिससे राहगीरों और यात्रियों को भारी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है।

समय रहते मरम्मत नहीं हुई तो बढ़ सकता है हादसों का खतरा

अनूपपुर से साधा, बदरा, कोतमा और बेलिया फाटक तक कई स्थानों पर सड़क की स्थिति लगातार खराब होती जा रही है। बरसात में गड्ढों में पानी भर जाने से उनकी पहचान करना मुश्किल हो जाता है, जिससे दुर्घटना की आशंका बनी रहती है। स्थानीय नागरिकों ने संबंधित विभाग से शीघ्र व्यापक मरम्मत कार्य कराने, जल निकासी की समुचित व्यवस्था करने तथा यात्रियों की मूलभूत सुविधाएं बहाल करने की मांग की है। लोगों का कहना है कि यदि समय रहते सुधार कार्य नहीं कराया गया तो राष्ट्रीय राजमार्ग-43 पर कभी भी कोई बड़ा हादसा हो सकता है।

उत्पाती बंदरों ने छीनी रामसेतु की जगमगाहट करोड़ों की विद्युत सज्जा हुई क्षतिग्रस्त

शाम ढलते ही फीका पड़ रहा रामघाट का आकर्षण, पर्यटक निराश

अमरकंटक। मध्य प्रदेश के प्रमुख धार्मिक एवं पर्यटन स्थल अमरकंटक में रामघाट स्थित रामसेतु (झूला पुल) की आकर्षक विद्युत सज्जा उत्पाती बंदरों के कारण बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गई है। कभी रंग-बिरंगी रोशनी से जगमगाने वाला यह पुल अब शाम ढलते ही अंधेरे में डूबने लगा है, जिससे यहां पहुंचने वाले श्रद्धालुओं और पर्यटकों को निराशा का सामना करना पड़ रहा है। नगर परिषद अमरकंटक के वार्ड क्रमांक 10 में स्थित रामसेतु का निर्माण मध्य प्रदेश पर्यटन विकास निगम द्वारा लगभग 12 करोड़ रुपये की लागत से कराया गया था। पुल को आकर्षक स्वरूप देने के लिए अत्याधुनिक एलईडी लाइटों, रंगीन विद्युत झालरों और आधुनिक प्रकाश व्यवस्था से सजाया गया था। रात के समय यह सेतु अमरकंटक की पहचान बन चुका था और बड़ी संख्या में श्रद्धालु व पर्यटक इसकी मनमोहक रोशनी का आनंद लेने पहुंचते थे। स्थानीय लोगों के अनुसार पिछले कुछ समय से बंदरों के लगातार उत्पात के चलते पुल पर लगी विद्युत झालरों, केबलों और अन्य विद्युत उपकरणों को जगह-जगह से कुतर दिया गया है। इसके कारण पूरी लाइटिंग व्यवस्था लगभग ठप हो गई है। वर्तमान स्थिति यह है कि संध्या के समय केवल कुछ लाइटें ही जलती दिखाई देती हैं, जबकि अधिकांश प्रकाश व्यवस्था बंद पड़ी है। कुछ सप्ताह पहले तक जगमगाने वाला रामसेतु अब अपनी चमक खो चुका है। नागरिकों का कहना है कि करोड़ों रुपये की लागत से विकसित इस आकर्षक प्रकाश व्यवस्था की चमक मुश्किल से एक माह तक ही बनी रह सकी। बंदरों द्वारा लगातार नुकसान पहुंचाए जाने के कारण लाखों रुपये की विद्युत सज्जा बेकार होती नजर आ रही है। इससे न केवल पर्यटन प्रभावित हो रहा है, बल्कि धार्मिक स्थल की सुंदरता पर भी प्रतिकूल असर पड़ा है। जानकारी के अनुसार निर्माण कार्य पूर्ण होने के बाद मध्य प्रदेश पर्यटन विकास निगम ने रामसेतु का संचालन एवं रखरखाव नगर परिषद अमरकंटक को सौंप दिया है। वर्तमान में इसकी देखरेख की जिम्मेदारी नगर परिषद के पास है। हालांकि क्षतिग्रस्त विद्युत तारों और उपकरणों के कारण सुरक्षा संबंधी चिंताएं भी बढ़ गई हैं। यदि समय रहते मरम्मत नहीं कराई गई और बंदरों से सुरक्षा के प्रभावी उपाय नहीं किए गए तो भविष्य में किसी अप्रिय दुर्घटना की आशंका से भी इनकार नहीं किया जा सकता। नगरवासियों, श्रद्धालुओं एवं पर्यटकों ने जिला प्रशासन, मध्य प्रदेश पर्यटन विकास निगम और नगर परिषद अमरकंटक से मांग की है कि रामसेतु की विद्युत सज्जा का शीघ्र नवीनीकरण कराया जाए। साथ ही ऐसी स्थायी सुरक्षा व्यवस्था विकसित की जाए, जिससे बंदरों द्वारा दोबारा नुकसान न पहुंचाया जा सके और रामसेतु एक बार फिर अपनी भव्य रोशनी के साथ अमरकंटक आने वाले श्रद्धालुओं और पर्यटकों का स्वागत कर सके।

विश्व जनसंख्या दिवस पर नवोदय विद्यालय की जनजागरण

विद्यार्थियों ने दिया जिम्मेदार नागरिक बनने का संदेश

हरिभूमि न्यूज अमरकंटक। विश्व जनसंख्या दिवस के अवसर पर पवित्र नगरी अमरकंटक स्थित पीएम श्री जवाहर नवोदय विद्यालय में शनिवार को जनसंख्या नियंत्रण, परिवार कल्याण एवं सतत विकास के प्रति जनजागरूकता बढ़ाने के उद्देश्य से भव्य जागरूकता रैली का आयोजन किया गया। विद्यालय परिसर से प्रारंभ हुई यह रैली नगर के प्रमुख मार्गों से होकर निकली, जिसमें छात्र-छात्राओं ने उत्साह और अनुशासन के साथ सहभागिता करते हुए आमजन को छोटे परिवार और संतुलित जनसंख्या के महत्व का संदेश दिया। विद्यालय की प्राचार्य श्रीमती अर्चना सिंह पायक के मार्गदर्शन में आयोजित इस जनजागरण अभियान में विद्यालय परिवार ने पूरे उत्साह के साथ भागीदारी निभाई। रैली में शिक्षक रमेश कुमार सिंह, अतुल सिंह, ऋषि राज पांडे, अल्पना अग्रवाल, अभिलाष पनिका एवं श्रीमती रामेश्वरी टांडिया सहित विद्यालय के अन्य शिक्षक एवं कर्मचारी उपस्थित रहे। लगभग एक सैकड़ा छात्र-छात्राओं ने हाथों में जनसंख्या जागरूकता संबंधी तख्तियां और बैनर लेकर नगरवासियों को जनसंख्या नियंत्रण, परिवार नियोजन तथा सामाजिक उत्तरदायित्व का संदेश दिया। रैली के दौरान विद्यार्थियों ने प्रभावशाली नारों के माध्यम से लोगों को जागरूक किया। जीवन को खुशहाल बनाओ, बढ़ती आबादी पर रोक लगाओ पृथ्वी ही है मनुष्य का घर, जनसंख्या वृद्धि से न बनाओ नरक, अधिक जनसंख्या एक विपत्ति है, यह विनाश की उत्पत्ति है, बढ़ती जनसंख्या पर रोक लगाना है, भारत को विकसित राष्ट्र बनाना है तथा स्वस्थ जीवन, खुशहाल परिवार हम दो, हमारे दो है इसका आधार जैसे नारों से नगर का वातावरण जनजागरूकता के संदेश से गूंज उठा। विद्यार्थियों की ऊर्जा और अनुशासित प्रस्तुति ने राहगीरों एवं स्थानीय नागरिकों का ध्यान आकर्षित किया। इस अवसर पर प्राचार्य श्रीमती अर्चना सिंह पायक ने विद्यार्थियों को संबोधित करते हुए कहा कि विश्व जनसंख्या दिवस केवल बढ़ती जनसंख्या पर चिंता व्यक्त करने का दिवस नहीं है, बल्कि यह परिवार नियोजन, मातृ एवं शिशु स्वास्थ्य, गुणवत्तापूर्ण शिक्षा, पर्यावरण संरक्षण तथा प्राकृतिक संसाधनों के संतुलित उपयोग के प्रति समाज को जागरूक करने का महत्वपूर्ण अवसर भी है। उन्होंने विद्यार्थियों से आहवान किया कि वे जागरूक नागरिक बनकर अपने परिवार और समाज में छोटे एवं सुखी परिवार की अवधारणा को बढ़ावा दें तथा जनहित से जुड़े ऐसे अभियानों में सक्रिय भागीदारी निभाएं। रैली के समापन पर विद्यार्थियों ने जनसंख्या नियंत्रण, स्वस्थ परिवार, सामाजिक उत्तरदायित्व और विकसित भारत के निर्माण के लिए जन-जन को जागरूक करने का संकल्प लिया। विद्यालय द्वारा आयोजित इस जनजागरण अभियान ने यह संदेश दिया कि सीमित परिवार ही स्वस्थ, समृद्ध और शिक्षित समाज की मजबूत आधारशिला है तथा संतुलित जनसंख्या ही राष्ट्र के सतत विकास, संसाधनों के संरक्षण और उज्ज्वल भविष्य का मार्ग प्रशस्त कर सकती है।

कल्याणिका केंद्रीय शिक्षा निकेतन में गरिमापूर्ण वातावरण में संपन्न हुआ निवेशचर समारोह

नवनिर्वाचित छात्र परिषद ने ली नेतृत्व, अनुशासन एवं सेवा की शपथ

अमरकंटक। कल्याणिका केंद्रीय शिक्षा निकेतन, अमरकंटक में शैक्षणिक सत्र 2026-27 के लिए नवनिर्वाचित छात्र परिषद के शपथ ग्रहण एवं पदभार ग्रहण का भव्य निवेशचर समारोह शनिवार को विद्यालय परिसर स्थित हंसवाहिनी सभागार में गरिमामय वातावरण में संपन्न हुआ। समारोह में विद्यार्थियों ने नेतृत्व, अनुशासन, सेवा तथा कर्तव्यनिष्ठा के साथ अपने दायित्वों का निर्वहन करने का संकल्प लिया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि कल्याण सेवा आश्रम के प्रबंध संन्यासी स्वामी हिमाद्री मुनि महाराज थे। विशिष्ट अतिथि के रूप में राजेंद्र बिष्ट एवं वरिष्ठ पत्रकार उमाशंकर पाण्डेय मुन्नू उपस्थित रहे। अतिथियों का पुष्पगुच्छ भेंट कर आत्मीय स्वागत किया गया। तत्पश्चात दीप प्रज्ज्वलन एवं माँ सरस्वती के पूजन के साथ कार्यक्रम का शुभारंभ हुआ। छात्र-छात्राओं द्वारा प्रस्तुत सरस्वती वंदना एवं स्वागत गीत ने पूरे सभागार को भक्तिमय और प्रेरणादायी वातावरण से भर दिया। अपने आशीर्वचन में स्वामी हिमाद्री मुनि महाराज ने विद्यार्थियों को उज्ज्वल भविष्य एवं सफल शैक्षणिक जीवन की शुभकामनाएँ देते हुए कहा कि शिक्षा का उद्देश्य केवल ज्ञान अर्जित करना नहीं, बल्कि उत्तम चरित्र, अनुशासन, सेवा और संस्कारों का विकास करना भी है। उन्होंने विद्यार्थियों से सत्य, सदाचार एवं राष्ट्रहित को जीवन का मूल मंत्र बनाने का आह्वान किया। विशिष्ट अतिथि राजेंद्र बिष्ट ने अपने उद्बोधन में कहा कि नेतृत्व अधिकार का नहीं, बल्कि सेवा, त्याग, अनुशासन और उत्तरदायित्व का प्रतीक है। उन्होंने विद्यार्थियों से अपने दायित्वों का निष्ठापूर्वक निर्वहन करते हुए विद्यालय, समाज और राष्ट्र के प्रति समर्पित रहने का संदेश दिया। समारोह के दौरान विद्यालय की नवनिर्वाचित छात्र परिषद का विधिवत बैज अलंकरण एवं शपथ ग्रहण कराया गया। स्कूल कैप्टन (बॉय) हर्ष प्रजापति तथा स्कूल कैप्टन (गर्ल) मंजरी शुक्ला ने नेतृत्व की जिम्मेदारी संभाली। वाइस कैप्टन के रूप में साक्षी परस्ते एवं शुभ गुप्ता ने शपथ ग्रहण की। इसी प्रकार डिसिप्लिन कैप्टन के रूप में ऋषिका सोनवानी एवं धैर्य कश्यप, स्पोर्ट्स कैप्टन के रूप में सेजेल-ए-जरीन एवं युवराज सिंह, कल्चरल कैप्टन के रूप में गौरव शर्मा एवं हंशिका बरक, एनवायरनमेंट कैप्टन के रूप में अनन्या सिंह एवं वैभव परस्ते, तथा हाउस कीपिंग कैप्टन के रूप में दीपक कुमार बघेल एवं अवनी जैन ने अपने-अपने दायित्व ग्रहण किए। इस अवसर पर विद्यालय के बैंड दल के सदस्यों का भी बैज अलंकरण किया गया। विद्यालय के प्राचार्य कमलेश मिश्रा ने अपने संबोधन में कहा कि छात्र परिषद केवल सम्मान का पद नहीं, बल्कि अनुशासन, नेतृत्व, सेवा और उत्तरदायित्व का प्रतीक है। वहीं उपप्राचार्य रामशंकर त्रिपाठी ने विद्यार्थियों को ईमानदारी, समर्पण एवं निष्ठा के साथ अपने दायित्वों का निर्वहन करने की प्रेरणा दी। कार्यक्रम के दौरान छात्र-छात्राओं ने आकर्षक सांस्कृतिक प्रस्तुतियों से उपस्थित जनसमूह का मन मोह लिया। विद्यालय के स्कूल कैप्टन हर्ष प्रजापति एवं स्कूल कैप्टन मंजरी शुक्ला ने अपने उद्बोधन में गुरुजनों, अभिभावकों एवं विद्यालय प्रबंधन के प्रति आभार व्यक्त करते हुए छात्र हित एवं विद्यालय की गरिमा बनाए रखने का संकल्प व्यक्त किया। समारोह के सफल आयोजन में विद्यालय के शिक्षक अभिनाश पटनायक, श्रवण कुमार पाण्डेय, श्रीकांत पाण्डेय, चिन्मय साहू, भैरवनाथ तांडी, अलका शर्मा, अविनाश पाण्डेय, राजनंदिनी गुप्ता, श्रीमती एलपी दास, प्रियंका मिश्रा, राधा पाण्डेय, सपना द्विवेदी तथा अमित बिस्वास सहित समस्त शिक्षक-शिक्षिकाओं एवं कर्मचारियों का सराहनीय योगदान रहा। कार्यक्रम के समापन अवसर पर वीके शुक्ला ने अपने उद्बोधन में विद्यार्थियों के उज्ज्वल भविष्य की कामना करते हुए सभी अतिथियों, अभिभावकों एवं उपस्थित जनों के प्रति आभार व्यक्त किया। राष्ट्रगान के साथ समारोह का गरिमामय समापन हुआ। समारोह ने विद्यार्थियों में नेतृत्व, अनुशासन, सेवा और उत्तरदायित्व की भावना को नई ऊर्जा प्रदान करते हुए विद्यालय के शैक्षिक एवं सांस्कृतिक वातावरण को और अधिक समृद्ध बनाया।